हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय स्वाभिमान
18 वर्ष
विश्वास • सहयोग • निरंतरता
RNI No. : MAHHIN/2008/24084.
www.rashtriyaswabhimaan.com
● वर्ष : 18 ● अंक : 01 ● मुंबई, शनिवार, 20 जून 2026 ● पृष्ठ : 6 ● मूल्य 1 रुपए

बारिश का इंतजार और बढ़ा: महाराष्ट्र में अटका मानसून, गर्मी-उमस ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में मानसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों को अभी कुछ और दिनों तक धैर्य रखना पड़ सकता है। जून के शुरुआती दिनों में तेज गति से आगे बढ़ने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून अब राज्य में लगभग ठहर सा गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून की यह धीमी रफ्तार सामान्य मौसमी परिस्थितियों में होने वाले बदलावों का परिणाम है, लेकिन इसका असर राज्य के करोड़ों लोगों पर साफ दिखाई देने लगा है। जहां एक ओर किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश की राह देख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शहरों में बढ़ती गर्मी और उमस लोगों की परेशानी का कारण बन गई है। इस वर्ष मानसून ने महाराष्ट्र में अपेक्षाकृत अच्छी शुरुआत की थी। 6 जून को दक्षिण कोंकण में प्रवेश करने के बाद मानसूनी बादल तेजी से आगे बढ़े और 8 जून तक सोलापुर क्षेत्र तक पहुंच गए। उस समय ऐसा लग रहा था कि कुछ ही दिनों में मानसून पूरे राज्य को अपनी गिरफ्त में ले लेगा। लेकिन इसके बाद मौसम की परिस्थितियों में आए बदलावों ने इसकी रफ्तार को अचानक धीमा कर दिया। पिछले कई दिनों से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसून की प्रगति लगभग रुक गई है और लोगों को उस झमाझम बारिश का इंतजार है जो गर्मी से राहत दिला सके।

मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की इस धीमी गति के पीछे सबसे बड़ा कारण अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाओं का कमजोर पड़ जाना है। सामान्य परिस्थितियों में दक्षिण-पश्चिमी हवाएं समुद्र से बड़ी मात्रा में नमी लेकर भारतीय तटों की ओर बढ़ती हैं और यही नमी बादलों के निर्माण तथा वर्षा का प्रमुख आधार बनती है। लेकिन इस समय अरब सागर और पश्चिमी हिंद महासागर से आने वाला भूमध्यरेखीय प्रवाह कमजोर हो गया है। परिणामस्वरूप पर्याप्त नमी महाराष्ट्र के तटीय और आंतरिक क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रही है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार मानसून को आगे बढ़ाने में कुछ विशेष मौसमी तंत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें कम दबाव के क्षेत्र, चक्रवाती परिसंचरण और पश्चिमी तट के साथ बनने वाली ट्रफ लाइन प्रमुख हैं। फिलहाल इन तंत्रों की सक्रियता बहुत कम है या वे पूरी तरह अनुपस्थित हैं। इसी कारण मानसूनी हवाओं को वह ऊर्जा और दिशा नहीं मिल पा रही है जो उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक होती है। यह स्थिति मौसम विभाग के लिए असामान्य नहीं है, लेकिन आम जनता के लिए यह चिंता और उत्सुकता का विषय जरूर बन गई है।

स्कूली छात्रों की सुरक्षा पर सख्त रुख महापौर नारायण चौधरी ने दिए कड़े निर्देश

भिवंडीः शहर में स्कूली छात्रों की यातायात व्यवस्था में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका के महापौर नारायण रतन चौधरी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्कूलों के प्रबंधक, यातायात पुलिस और मनपा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महापौर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्कूल शुरू होने और छुट्टी के समय छात्रों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्कूल में कम से कम दो कर्मचारियों की तैनाती अनिवार्य की जाए। उन्होंने मनपा अधिकारियों को औचक निरीक्षण कर नियमों के पालन की जांच करने और रिपोर्ट सीधे उन्हें सौंपने के निर्देश दिए।

बैठक में निजी वाहनों द्वारा छात्रों को लाने-ले जाने के मुद्दे पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। यह सामने आया कि कई वाहन चालक क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर जोखिम उठा रहे हैं, जबकि कई स्कूल प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेने से बचते हैं।

इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए महापौर ने महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग की 2011 की स्कूल बस अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि छात्र के घर से स्कूल और वापस घर तक की पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की होती है। उन्होंने सभी स्कूलों को इस नियम का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

महापौर ने यातायात विभाग को भी आदेश दिया कि वे नियमित रूप से जांच करें और यदि कोई वाहन चालक क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाते पाया जाए तो उसके खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए।

इसके अलावा, छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महापौर ने मनपा के निर्माण और स्वास्थ्य विभाग को स्कूलों के आसपास के खुले नालों को ढंकने, सफाई व्यवस्था सुधारने और सड़कों की मरम्मत के निर्देश भी दिए।

महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि स्कूली छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि छात्रों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्वास, सहयोग और निरंतरता की गौरवशाली यात्रा

संपादक
अशिवनी कुमार दुबे

हिंदी दैनिक "राष्ट्रीय स्वाभिमान" अपने प्रकाशन के 18वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह अवसर केवल एक वर्षगांठ नहीं, बल्कि उन 17 वर्षों की निरंतर साधना, संघर्ष और विश्वास की यात्रा का प्रतीक है, जिसने इस समाचार पत्र को एक सशक्त पहचान दी है।

मीडिया के नवीनीकरण के इस दौर में, जहां डिजिटल क्रांति ने पत्रकारिता के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है, वहां राष्ट्रीय स्वाभिमान का अपने मूल्यों पर अडिग रहना और निरंतर आगे बढ़ते रहना गर्व का विषय है। बदलते समय, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और महंगाई के कठिन दौर के बावजूद इस अखबार का टिके रहना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि यह हमारे पाठकों, विज्ञापनदाताओं और सहयोगियों के अटूट विश्वास का परिणाम है। हमारे लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद पाठकों का जुड़ाव बना रहा, विज्ञापनदाताओं का विश्वास कायम रहा और सहयोगियों का साथ निरंतर मिलता रहा। यह संबंध केवल कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक परिवार की तरह जुड़ा हुआ आत्मीय संबंध है। इस गौरवपूर्ण यात्रा में हमारे अनेक सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं प्रेम चौबे जी, सुजीत मिश्रा जी, अरविंद मिश्रा जी, अपना पूर्वांचल महासंघ के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक दुबे जी,लॉयर गिरीश मिश्रा, पत्रकार धर्मेंद्र उपाध्याय जी,नालासोपारा से नगरसेवक जे पी सिंह जी, नालासोपारा स्थित दुबे इस्टेट से अमित ओमप्रकाश दुबे जी, भाजपा से वसई आमदार स्नेहा दुबे जी, बेस्ट सदस्य रमाकांत गुप्ता जी, पत्रकार नागमणि पांडेय जी, अमित बृज जी, पत्रकार संजय दुबे जी, पत्रकार रामदिनेश यादव जी, पत्रकार जितेंद्र मिश्रा जी,पत्रकार राजेश जयसवाल जी,दिनेशचंद्र रावल जी,अरविंद बनसोडे,राजेन्द्र फणसगांवकर जी व हमारे ऑपरेटर अभय गुप्ता जी, दिलीप तिवारी जी, मोहम्मद भाई जी, संजय तिवारी जी, पूनम मौर्या जी तथा उन सभी गुप्त सहयोगियों का, जिनका योगदान शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है।

इन सभी के सहयोग, समर्पण और विश्वास ने राष्ट्रीय स्वाभिमान को मजबूती प्रदान की है। यह एक सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जिसमें हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

हम यह भी मानते हैं कि यह यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है, बल्कि यह एक नई शुरुआत है। आने वाले समय में भी राष्ट्रीय स्वाभिमान अपने पाठकों के विश्वास को बनाए रखते हुए, निष्पक्ष और सशक्त पत्रकारिता के मार्ग पर अग्रसर रहेगा। इस 18वीं वर्षगांठ के अवसर पर, हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों और सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आपका साथ ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही हमें नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संबल देता है।

भिवंडी में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शैक्षणिक धोखाधड़ी के खिलाफ राष्ट्रवादी शरद पवार गुट का प्रदर्शन

भिवंडीः देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शैक्षणिक धोखाधड़ी के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी की ओर से शहराध्यक्ष शोएब खान गुड्डू के नेतृत्व में भिवंडी उपविभागीय कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर विरोध जताया। पूरे देश और महाराष्ट्र राज्य में पेट्रोल, डीजल, गैस और सीएनजी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके कारण परिवहन (दळणवळण) का खर्च बढ़ गया है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। जनता इस बेकाबू महंगाई से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। इसी के साथ, हर तरफ बेरोजगारी का संकट भी गहराता जा रहा है। देश और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार होने के बावजूद बुनियादी जरूरतों की चीजों की महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है।

बेकाबू महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर नरेंद्र मोदी की सरकार लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम रही है, जो कि सरकार के लिए बेहद शर्मनाक बात है। इसकी वजह से व्यापार और उद्योग चौपट हो गए हैं। किसानों की फसलों को सही दाम नहीं मिल रहा है और सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार का साम्राज्य फैला हुआ है, जिसके कारण जनता के काम नहीं हो पा रहे हैं और लोग परेशान हैं। **पेपर लीक और शैक्षणिक भ्रष्टाचार पर निशाना**

इसके अलावा, पूरे देश में शैक्षणिक भ्रष्टाचार के कारण नीट परीक्षा में पेपर लीक और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों को देखते हुए, भाजपा सरकार छात्रों की आत्महत्या का कारण बन चुकी है। शोएब खान गुड्डू ने आरोप लगाया कि पूरे देश के युवाओं और छात्रों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन वे इसके बावजूद निर्लज्जता से अपनी कुर्सी पर बैठे हुए हैं।

उपविभागीय अधिकारी अमित सानप के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजा गया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) पार्टी के कार्यालय से उपविभागीय अधिकारी कार्यालय तक निकाले गए इस मोर्चे में शहराध्यक्ष शोएब खान गुड्डू खुद साइकिल पर सवार होकर शामिल हुए थे। उनके साथ, पार्षद फराज बाहुद्दीन

पूर्व पार्षद इमरान खान, हलीम अंसारी,अर्शद अंसारी,डॉ. तालीश मोमिन,सुरेंद्र मुले,सुरेश पाटिल, मुमताज अंसारी, तुफैल फारूकी, हारून खान,महिला अध्यक्षा स्वाती कांबले

सहित भारी संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

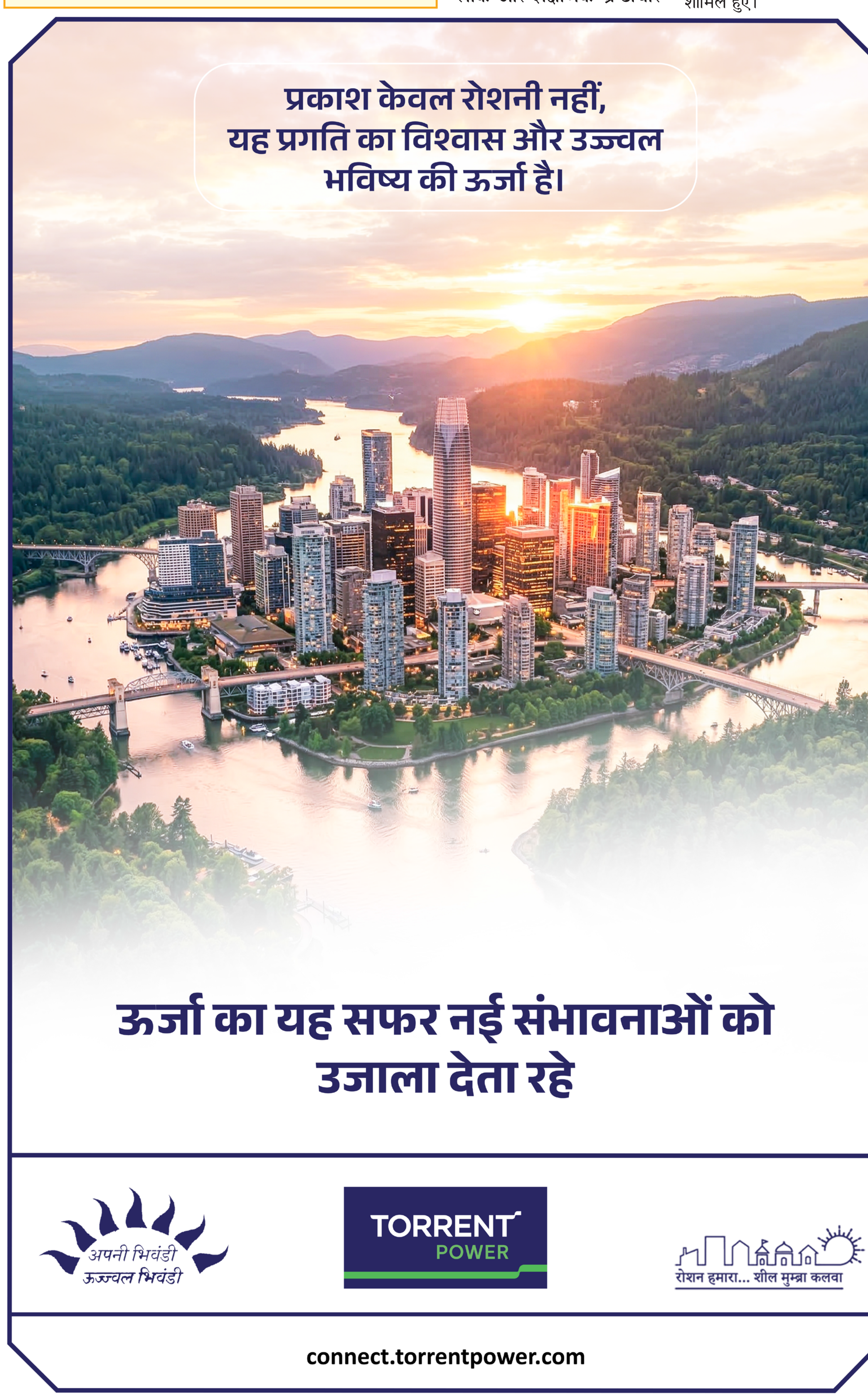

कहानी (भाग-1)

अपने हिस्से की जिंदगी

महेन्द्र तिवारी

भीड़ भरी सड़क पर हर दिन संवेदनाओं का एक रेला गुजरता है। हजारों चेहरे, हजारों मंजिलें, लेकिन हर चेहरे के पीछे एक नितांत निजी संसार जो अनकही कहानियों और अदृश्य बोझ तले दबा हुआ है। भीड़ के इस समंदर में झाँकें, तो किसी की आँखों में वर्षों की थकी हुई उदासी तैरती नजर आती है, तो किसी के माथे की लकीरों में भविष्य की चिंताओं का जाल बुना हुआ दिखता है। कुछ चेहरे तो ऐसे भी हैं, जिन पर एक अजीब-सा शून्य पसरा रहता है। एक ऐसा खालीपन, जो यह चीख-चीख कर कहता है कि इंसान भीड़ का हिस्सा होकर भी भीतर से कितना एकाकी हो सकता है।

आलोक भी एक ऐसा ही लड़का है, जिसकी आँखों में अनगिनत सपने हैं। इतने बड़े कि अक्सर वे यथार्थ की ऊँची दीवारों से टकराकर दरकने लगते हैं। स्वभाव से शांत और पढ़ाई में मेधावी आलोक का घर छोटा था, पर उसकी मजबूरियाँ बहुत विशाल। उसके घर की दीवारें वक्त से पहले ही जर्जर हो चुकी थीं, मानो संघर्षों की मार सहते-सहते उन्होंने भी घुटने टेक दिए हों। बरसात के दिनों में छत से टपकती बूंदें सिर्फ मकान की बदहाली नहीं बताती थीं, बल्कि यह अहसास दिलाती थीं कि इस परिवार की परेशानियाँ भी ठीक उसी तरह निरंतर और अविराम हैं।

उसके पिता एक छोटी सी सरकारी नौकरी में थे। तनख्वाह इतनी थी कि महीने की जरूरतें बस किसी तरह पूरी हो जाएँ, लेकिन इच्छाएँ हमेशा अधूरी रह जातीं। जिम्मेदारियों का बोझ उनके कंधों पर साफ दिखाई देता था, भले ही वे उसे शब्दों में कभी व्यक्त न करते हों। माँ इस घर की असली धुरी थी। सुबह से रात तक उनका दिन बस काम में बीत जाता। चूल्हा-चौका, कपड़े, सफाई, और परिवार की हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए हमेशा तत्पर रहती। उनके पास खुद के लिए समय जैसे कभी था ही नहीं। उनकी उंगलियाँ सूखकर खुरदुरी हो गई थीं, जैसे हर रेखा में त्याग की कहानी लिखी हो। लेकिन उनके चेहरे पर एक अजीब-सी शांति हमेशा बनी रहती। वो शांति जो खुशी से नहीं, बल्कि हालात से समझौता कर लेने के बाद आती है।

आलोक जब उन्हें देखता, तो उसे अपने सपनों का बोझ और भी भारी लगने लगता क्योंकि अब वो सिर्फ उसके नहीं रहे थे, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीद बन चुके थे। घर में हमेशा एक ही बात दोहराई जाती, “बेटा, जिंदगी समझौते का नाम है। जो मिले, उसी में खुश रहो। संतोषी सदा सुखी।”

पिता यह बात इतनी ठंडी आवाज़ में कहते कि लगता जैसे कोई सच बता रहे हों। कोई ऐसा सच जिसे उन्होंने अपनी कमर सीधी करके स्वीकार कर लिया हो, लेकिन आलोक के दिल में कहीं न कहीं यह बात चुभती रहती। वह रात को छत पर बैठकर तारों को देखता और सोचता, क्या सच में जिंदगी समझौता ही है? क्या इंसान अपने सपनों का मालिक नहीं हो सकता? क्या हर उस इंसान की कहानी समझौते पर खत्म होती है जिसके पास पैसे नहीं हैं?

बचपन में जब दूसरे बच्चे गलियों में गेंद उछालते, आलोक कोने में बैठकर डायरी में कुछ लिखता रहता। कहानियाँ बनाता, उड़ने वाले घोड़ों की, बादलों से बात करने वाले बच्चों की, उन दुनिया की जो असली नहीं थीं लेकिन उसे जिंदगी से ज्यादा सच लगती थीं। माँ ने एक बार उसकी डायरी उठाकर देख लिया था। कुछ पन्ने पढ़कर उनकी आँखें चमक उठी थीं। लेकिन फिर पिता की आवाज आई, “यह सब करने से नौकरी नहीं लगेगी। किताबें पढ़ो बेटा, किताबें।”

माँ ने डायरी वापस रख दी थी चुपचाप। बिना कुछ कहे। लेकिन उस दिन आलोक ने माँ की आँखों में एक अजीब सी बेचैनी देखी थी जैसे वह खुद भी कुछ कहना चाहती थीं, लेकिन कह नहीं पाई। शायद उनकी अपनी भी एक कहानी थी जो अधूरी रह गई थी। शायद कोई सपना जो वह कभी बयाँ नहीं कर पाई थीं।

कॉलेज खत्म होने के बाद आलोक ने अपनी डायरी आलमारी के किसी कोने में दबा दी थी। उसने सोचा शायद उसके पिता सही कहते हैं। शायद सपने देखने वालों को ही तोड़ा जाता है। काफी मशक्कत के बाद आलोक को एक बड़ी कंपनी में नौकरी मिल गई थी। घर में खुशियों की लहर दौड़ गई। पिता गर्व से भर उठे। पहली बार उन्होंने आलोक के कंधे पर हाथ रखा। उस हाथ में एक अजीब सा स्नेह था जो आलोक ने पहले कभी महसूस नहीं किया था। माँ की आँखों में सुकून था। वो सुकून जो एक माँ को तब मिलती है जब उसे लगता है कि उसका बच्चा अब सुरक्षित है।

लेकिन वह नौकरी उसके सपनों की नहीं थी। वह सिर्फ एक मजबूरी थी। एक ऐसी मजबूरी जिसे उसने खुशी का नाम दे दिया था। हर सुबह छह बजे अलार्म बजता। वह उठता, तैयार होता, भीड़ भरी बस में सफर करता, ऑफिस पहुँचता और फिर वही फाइलें, मीटिंग्स, बॉस की डाँट, कलीगों का झगड़ा। शाम को जब वह घर लौटता, तो लगता जैसे कोई उसकी जान चूसकर ले गया हो। वह खुद को आईने में देखता और सोचता, “क्या यही वो जिंदगी है, जो मैंने चाही थी? क्या मैं तीस साल बाद भी यही करूँगा? फाइलें देखूँगा, लोगों की बातें सुनूँगा, और एक दिन ऐसे मर ही जाऊँगा जैसे कभी जी ही नहीं पाया?”

कभी-कभी रात को वह अपनी पुरानी डायरी निकालता। पीले पड़ चुके पन्नों पर उसके बचपन के शब्द लिखे हुए थे। वह उन्हें पढ़ता और एक अजीब सी कसक महसूस करता जैसे कोई उसका अपना हिस्सा उससे छीन लिया गया हो। एक दिन ऑफिस में एक नई प्रोजेक्ट मीटिंग थी। उसी मीटिंग में उसकी मुलाकात रिया से हुई।

रिया एक फ्री लांसकंसल्टेंट थी। आत्मविश्वास से भरी हुई, अपनी शर्तों पर जीने वाली लड़की। उसके बाल खुले थे, आँखों में एक अलग ही चमक थी। वह चमक तब होती है जब कोई इंसान खुद के लिए जी रहा हो।

रिया ने पहली मीटिंग में ही बॉस के सामने अपनी बातें रख दी थी। सब चुप थे, लेकिन रिया ने डरे बिना बोला। आलोक उसे देखता रह गया था। उसे लगा इस लड़की में कोई अलग ही ताकत है। धीरे-धीरे दोनों की बातचीत शुरू हुई। पहले ऑफिस की बातें, फिर धीरे-धीरे ज़िंदगी की बातें। रिया ने बताया कि उसने भी एक नौकरी छोड़ी थी। उसके परिवार ने भी उसे समझाया था, ताने मारे थे। लेकिन उसने नहीं सुना।

रिया अक्सर कहती, “आलोक, जिंदगी किसी और के हिसाब से नहीं जी जाती। लोग तुम्हें उस रास्ते पर चलने को कहेंगे जो उन्होंने चला है। लेकिन तुम्हारी जिंदगी तुम्हारी है। अगर जीनी है, तो अपने दिल की सुनो।”

आलोक मुस्कुरा देता, लेकिन अंदर से वह जानता था कि उसमें इतना साहस नहीं है। वह डर से घिरा हुआ था। असफल होने के डर से, गिरने के डर से, लोगों की बातों के डर से।

एक शाम दोनों ऑफिस के बाहर चाय पी रहे थे। आसमान ने लालिमा ओढ़ रखी थी। रिया ने अचानक पूछा, “तुम खुश तो हो ना, अपनी जिंदगी से?”

आलोक ने चाय का घूंट लिया। कुछ पल चुप रहा। फिर पहली बार सच कहा, “नहीं मैं खुश नहीं हूँ। शायद कभी था भी नहीं।”

यह कहते ही उसे अजीब सा हल्कापन महसूस हुआ जैसे सालों से छाती में दबा हुआ कोई पत्थर हट गया हो।

क्रमशः

टूटते किनारे

एक छोर था वह,
जहाँ भीतियों से गूँजती आती थीं-
मेरी किलकारियाँ,
जहाँ आँगन की धूप में
मेरा साया खिलखिलाता था,
हवा का हर झोंका
मेरी आवाज पर इतराता था
मगर फिर भी-
उस छोर को थी परायी मैं,
एक दिन रीति-रिवाजों की
नाव में बैठ उतर आई इस पार।
लेकिन ये मन बाँवरा
बरसों तक वहीं डेरा जमाये रहा
कभी तीज-त्योहार तो कभी दुःख-सुख
की साझेदारी जताता,
अपने होने की अनुभूति से
उस किनारे को बाँधता रहा
परन्तु समय की लहरें प्रबल थीं-
दिन-दिन करके, साल-बदले
रिश्ते भी दीवारों से नए रङ्ग में रँग गए।
अब उस छोर की हवा भी
'अतिथि' कह जाती है।
और, यह दूसरा किनारा
यह भी कब मेरा हुआ?
इस ओर के आँगन को सजाया,
कुछ जिम्मेदारियाँ ओढ़ी,
कुछ मान-मनुहार भी जताए,
चौखट पर कुछ इच्छाएँ टाँगीं,
सींचा कोना-कोना श्रम और स्नेह से।
यहाँ भी घर की धुरी माना गया मुझे,
लेकिन.....
कोई किनारा तो हिस्से नहीं आया।
अब सोचती हूँ-
स्त्री जीवन भी नदी-सा है,
दो टूटते किनारे
और उनके बीच बहता मन।
एक छूट गया,
और एक कभी हाथ आया ही नहीं।
पूरी उम्र
मैं किनारों को बचाती रही,
जबकि बह जाना ही
शायद मेरी नियति थी।

रीना धीमान 'स्वर्ण'

(लघुकथा)

पहचान

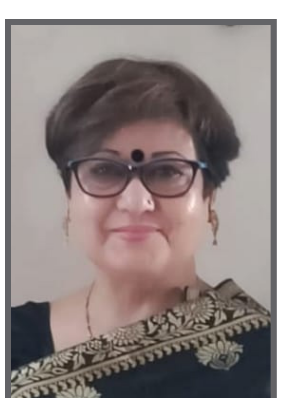

डॉ. कनक लता तिवारी

रामू की बेटी ने समाचार पत्र उठाया समाचार पत्र में एक छोटी-सी खबर छपी थी गाय चोरी के शक में मारे गए व्यक्ति निर्दोष निकले।”

रामू की बेटी ने वह खबर पढ़ी। उसकी आँखों से आँसू टपक पड़े। उसने माँ से पूछा, “अम्मा, जब बाबूजी निर्दोष थे तो उन्हें बचाने कोई क्यों नहीं आया?”

माँ के पास कोई उत्तर नहीं था।

उसकी आँखों के सामने जैसे वो दृश्य चलचित्र की तरह चलने लगा।

गाँव के बाहर साप्ताहिक पशु मेले से लौटते हुए रामू अपनी दो गायों को रस्सी से बाँधे चला जा रहा था। माथे पर पसीना था, लेकिन चेहरे पर संतोष। बड़ी बेटी की पढ़ाई के लिए उसने एक गाय बेच दी थी और दूसरी को खरीदकर ला रहा था।

रास्ते में कुछ युवकों ने उसे रोककर पूछताछ शुरू कर दी

रामू ने जेब से खरीद-बिक्री के कागज निकालकर दिखाए और बताया कि वह पशु खरीदने बेचने का काम करता है। लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। किसी ने मोबाइल पर वीडियो बनाते हुए उसे गाय चोर बता दिया ।

कुछ ही मिनटों में भीड़ जमा हो गई। आरोप सच से तेज दौड़ रहा था। रामू बार-बार कागज दिखाता, हाथ जोड़ता, पर भीड़ को सच नहीं चाहिए था, उसे शिकार चाहिए था। लाठियाँ उठीं, गालियाँ बरसीं और फिर रामू की आवाज हमेशा के लिए शांत हो गई।

अब पुलिस जाँच में पता चला है कि सारे कागज असली थे। रामू वास्तव में पशु बेचने-खरीदने का काम करता था।

विरासत के शब्द-12

कबीर के दोहे

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदे साँच है, ता हिरदे गुरु आप।।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पाँय।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताय।।

अति का भला न बोलना, अति का भला न चूप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करै, आपहुँ शीतल होय।।

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय।।

साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार सार को गहि रहै, थोथा देइ उड़ाय।।

कबिरा मन पंछी भया, भावै तहवाँ जाय।
जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय।।

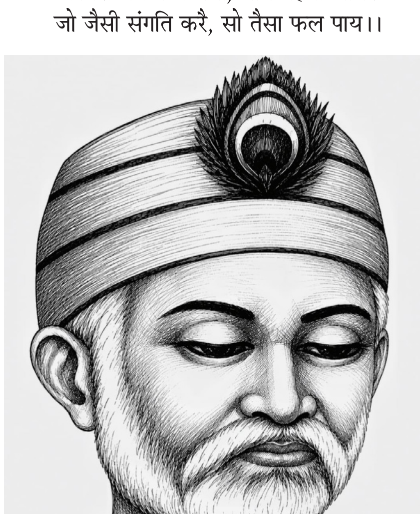

कबीर

धरती पर वर्चस्व का अंतहीन युद्ध

संकट

रविन्द्र गिन्नौरे

दुनिया इन दिनों युद्धों से घिरी हुई है। इंसानों की धरती भयावह जलवायु परिवर्तन के संकटों से घिरती जा रही है और सभ्य मानवों के विकसित देश युद्ध पर आमादा है। ऐसे मे आने वाला भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता।

हमारी पृथ्वी विविध महत्ताओं वाली, सारे संसार की आधायिक है। जगतो निवेशनी याने विशाल निवास स्थान वाली है। यह उन सारे पदार्थों की पालिका है जो भूतस्य भव्यस्यअर्थात जो भूतकाल में हो चुके अब भविष्य में होने वाले हैं। हमारी पृथ्वी अपने में सब को समेटे हुए हम सब का पोषण करती है।

विविधरूपा पृथ्वी-

पृथ्वी के विविध रूप हैं या कहें सारा विश्व किसके रूप को प्रकट कर रहा है। अथर्ववेद में इसलिए पृथ्वी को विश्वरूपा कर संबोधित किया है। पृथ्वी के विविध रूपों में कही शिलाएं हैं, कहीं पत्थर है, कहीं धूलि है। इसकी मिट्टी कई रंगों वाली है कहीं भूरी, कहीं काली, कहीं लाल इस भांति चित्र विचित्र रूपों में सजी पृथ्वी सबको आकर्षित करती है और अपनी विश्व रूपता को स्थापित करती है।

पृथ्वी को विश्म्भरा, विश्वरूपा, ध्रुवा, गतिशिला, गुरुत्वाकर्षणवती, सुखदायनी, माता, कामदुधा, विश्वगर्भा, वसुधा, वसुंधरा जैसे नामों से संबोधित किया गया है। वैदिक ऋषि पृथ्वी माता से प्रार्थना करते हुए कहते हैं,

हे पृथ्वी! तेरी गोद में रहने वाले हम लोग रोग रहित और क्षय रहित हो। तेरी कोख से जन्म लेने वाली नैसर्गिक निधियां हमारे लिए हितकर हो। हमारी आयु लंबी हों। हम विवेकशील होकर तेरे लिए बलिदान देने वाले बनें। मानव एवं प्रकृति के मध्य समुचित संतुलन एवं सहृदय समन्वय स्थापित करने के लिए उनमें अंतर्निहित दैवी सत्ता के प्रति आस्था अनिवार्य है। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में यही संदेश है,

उपास्थास्ते अनमीवा अयक्ष्मा अस्मभ्यं सन्तु पृथिवी प्रसूता।

दीर्घं न आयु प्रतिबुध्यमाना वयं तुभ्य बलिहृता स्याम॥

(अथर्ववेद 12/1)

प्रकृति में देवत्व-

प्रकृति और मानव के पारस्परिक संबंधों की मधुरता या आनुपातिक संतुलन का नाम ही पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न आधार एवं साधन हो सकते हैं, वही धार्मिक भावना भी एक आधार हो सकती है। प्रकृति, पर्यावरण के प्रति धार्मिक सद्भावना ही हमारी प्राचीन अवधारणा का केंद्र बिंदु है। प्राचीन वैदिक साहित्य पर्यावरण संरक्षण के रूप में परिलक्षित होता है। ज्ञान, कर्म और उपासना की त्रिवेणी से आप्लावित वैदिक साहित्य में कर्म का सीधा संबंध स्वास्थ्य एवं पर्यावरण शुद्धि से है, तो उपासना विशुद्ध रूप से प्राकृतिक उपादानों से संबंधित है। अग्नि, मरुत, पर्जन्य, वरुण, सोम, सविता पृथ्वी,उषस आदि सभी प्राकृतिक तत्व वैदिक ऋषियों के पूजनीय रहे हैं। वैदिक ऋषियों ने प्राकृतिक तत्वों में देवत्व की भावना समाहित की है। वेदों में इन्हीं प्राकृतिक देवताओं की प्रशंसा कर इनसे अपने कल्याण व सुख समृद्धि की प्राप्ति के लिए स्तुति करने का विधान किया है। ऐसी ही मधुरतम प्रार्थना कर कहा गया है, संसार में वायु मधुर बहे,

नदियां मधुर बहे, औषधियां मधुर उत्पन्न हो। रात मधुर हो, प्रभात मधुर हो और हमारा पिता धौ मधुर हो। सूर्य मधुर हो और गाय मधुर हो। वैदिक ऋषियों ने पृथ्वी, मही का उल्लेख बड़े स्नेह और आदर के साथ किया है, उसके मातृत्व की धारणा भी की गई है, पितृत्व की नहीं। माता ही रचती है, वही धारण करती है, दोषों को क्षमा करती है। पृथ्वी सब की मां है, सभी वनस्पतियों की मां है। मनुष्यों की ही नहीं वनस्पतियों और पशु पक्षियों की भी मां है, उसे सबका मोह-छोह है। पृथ्वी एक ओर तो भावाकार होने के कारण सर्वव्यापक और सर्वमान्य हैं दूसरी ओर नदी, निर्झर वन पर्वत, लहलहाते खेत और महमहाते उपवन के साथ एकाकार होने के कारण विशिष्ट और मूर्त भी हैं। मेरा गांव, उसके पास के जंगल, उपवन, नदी- पहाड़ ये ही मेरी पृथ्वी के सार विग्रह हैं। इनके साथ जो जुड़ाव होता है, उसी के माध्यम से व्यापक मातृभाव से जुड़ाव होता है। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में इस व्यापक भाव का अच्छा निर्देशन है जहां कहा गया है, जनं बिभ्रती बहुधा विवाचसं नानाधर्माणं पृथिवी यथौकसम्। सहस्रं धारा द्रविणस्य मे दुहां ध्रुवेव धेनुरनपस्फुरन्ती ॥

जंगलों का विनाश-

दुनिया का फेफड़ा कहे जाने वाले अमेजन के जंगलों को बेरहमी से काटा जा रहा है, कहीं जलाया जा रहा है। हर देश विकास के लिए जंगलों को काट रहे हैं। जंगल जो धरती के वायुमंडल को स्वच्छ रखने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सीएचसी जैसी गैसों को सोखते हैं। धरती पर जीवन को जीवन्त बनाए रखने के लिए प्राणवायु जंगल ही देते हैं। जंगलों पर समूचा जीव जगत आश्रित है, जिनके खत्म होने से जीव- जंतु, पशु- पक्षी के साथ पेड़- पौधे भी विलुप्त हो रहे हैं। जंगलों का कोई विकल्प नहीं है। वृक्षारोपण कर जंगलों की भरपाई नहीं की जा सकती क्योंकि जंगल प्राकृतिक परिवेश के अनुकूल हैं जो अपने में अनमोल जैव विविधता समेटे हुए हैं। यही जैव विविधता हमारे जीवन को संवारती है।

जलवायु परिवर्तन के संकट-

हमारी पृथ्वी जलवायु परिवर्तन के भंवर में फंस चुकी है, अभी इसकी शुरुआत है। जलवायु परिवर्तन के चलते कई संकट एक एक कर सामने आते जा रहे हैं । धरती पर महामारियां लौट रही है। वायरस जन्य खतरे में कोरोना वायरस से दुनिया अभी ऊबर नहीं पाई है। प्राकृतिक आपदाएं तेजी से घट रही हैं। कहीं तूफान, कहीं भूकंप, कहीं भूस्खलन, बाढ़ और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं में तेजी आई है। मौसम चक्र में परिवर्तन होने से फसल उत्पादन प्रभावित होने लगा है। समुद्रों का जलस्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्र डूब में आने लगे हैं। कई समुद्री द्वीप डूब चुके हैं। भारत के सुंदरबन का अधिकांश इलाका सागर में समा चुका है। जलवायु परिवर्तन के संकटों से बचाव के लिए पूरी दुनिया एकजुट तो हुई है मगर अधिकांश देश अपने आर्थिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, संवर्धन नहीं कर रहे हैं। वहीं विकसित देशों की औद्योगिकीकरण गति कम नहीं हुई है। विश्व के गरीब देशों में संकट गहराता जा रहा है। पेयजल, खाद्यान्न की कमी के साथ भयावह प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन बदहाल हो चला है। बड़ी विडंबना है जब दुनिया के देश एक पृथ्वी का नारा लगाकर उसे संवारने का संकल्प लेते हैं वही देश अपने वर्चस्व के लिए युद्ध कर रहे हैं। सालों से अंतहीन युद्ध चल रहा है। लोग मर रहे हैं, प्राकृतिक संसाधन प्रदूषित हो चले हैं। धरती के अधिकांश देशों में भुखमरी,गरीबी पसरी पड़ी है। ऐसे में भला एक पृथ्वी का संरक्षण, संवर्धन कैसे होगा जिसमें रहने वाला इंसान कैसे सुखी रह सकेगा!

हरिशंकर राढ़ी की तीन गजलें

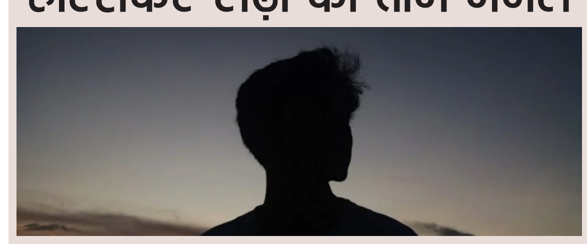

हरसू ही उत्पात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी ?
घात और प्रतिघात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?
बाहर संसद से आ करके तुमको खूब सिखाएँगे
अंदर लातमलात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी ?
जब तक राशन के बदले तुम वोट थमाते जाओगे
तब तक ये खैरात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?
तख्ते – ताऊस पर बैठी चालाकी ठट्ठे मारेगी
घुटनों पर ज़ज़्बात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?
मंदिर-मस्जिद, गुरूद्वारे तो शाम ढले सो जाएँगे
ठेका सारी रात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?
तुम पी-एच.डी. कर लो चाहे कितने नंबर ले आओ
इंटरव्यू में नात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?
सत्ता में अज्ञात और विख्यात नहीं चल पाता है
इसमें बस कुख्यात चलेगा क्या कर लोगे बाऊजी?

(2)

जिसे हो घूमते लेकर, असल चेहरा नहीं है।
अभी तक आईने में, ठीक से देखा नहीं है।
न थैले में तुम्हारे घी, भरा-मिर्चा*, न गुड़ ही
यक़ीनन, गाँव के घर में तुम्हारी माँ नहीं है।
पसीना, खून, किडनी बेचना पड़ता यहाँ पर
करोगे क्या यहाँ, गर जेब में पैसा नहीं है?
मुसीबत से निपटकर तुम लिखोगे डायरी में
हमारे शह्र में अब, एक भी रिश्ता नहीं है।
खलीफा बुर्ज बनवाकर शिकायत कर रहे हैं--
कहीं जंगल, नदी, पर्वत, खुला रस्ता नहीं है।
बहुत मन हो रहा था फिर वही मैं लौट जाऊँ
मगर सबने बताया -- गाँव अब वैसा नहीं है।
भले हमदम नहीं, मरहम नहीं, अपना नहीं है
मगर मैं छोड़ दूँ उम्मीद भी, ऐसा नहीं है।

*मिर्च का अचार

(3)

किसी का दिल किसी के दर्द से बेकल नहीं है
किसी मजलूम की खातिर कोई संबल नहीं है।
मिलेंगे हर तरह के जानवर ऊँचे भवन में
सही पूछो शहर - सा दूसरा जंगल नहीं है।
निकलकर आ गया है राजधानी में वहाँ से
बहुत ढूँढ़ा जहाँ था, अब वहाँ चंबल नहीं है।
उसे मालूम है - सच बोलना अच्छा न होगा
इलेक्शन जीतना है और वह पागल नहीं है।
सिहरता हूँ कभी तो ओढ़कर मैं लेट जाता
तेरी यादों से बेहतर माँ कोई कंबल नहीं है।

हरिशंकर राढ़ी

मालिक जयेश जग्शी गाला हेतु प्रकाशक, मुद्रक **अश्विनी कुमार दुबे** द्वारा मोदी प्रिंटर्स, 24 बोमनजी लेन, फोर्ट, मुंबई-400001 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर महाराष्ट्र ग्रेन स्टोर्स, 28, डॉ. भगवानदास इंद्रजीत रोड, वालकेश्वर, मलबार हिल, मुंबई-400006 से प्रकाशित किया।
संपादकः **अश्विनी कुमार दुबे** (पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी है, न्याय क्षेत्र मुंबई) कार्यकारी संपादकः अरविंद मिश्रा, सहसंपादकः सुजीत मिश्रा (दै.'राष्ट्रीय स्वाभिमान 'में सभी लोग सहयोगात्मक और अवैतनिक तौर पर कार्यरत हैं)
● आर.एन.आई.:MAHHIN/2008/24084 ● ईमेलः rastriyaswabhiman@gmail.com ● भ्रमणध्वनि क्र. +919224733113

ड्रग-फ्री इंडिया कैंपेन के तहत ठाणे जिला परिषद में सामूहिक नशा मुक्ति शपथ

नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण हेतु जागरूकता अभियान

ठाणेः भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग अब्यूज़ प्रिवेंशन के अंतर्गत देशभर में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों को नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज ठाणे जिला परिषद के ऑडिटोरियम में 'ड्रग-फ्री इंडिया कैंपेन' के तहत सामूहिक नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशा-मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। कार्यक्रम में डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अविनाश फड़तारे, डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, समाज कल्याण विभाग की प्रमुख उज्ज्वला सपकाले सहित जिला परिषद के अनेक अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 'ड्रग-फ्री इंडिया कैंपेन' की शुरुआत 15 अगस्त 2020 को की गई थी, जिसे अब देश के सभी जिलों में विस्तार दिया गया है। हर वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के तहत 17 जून से 26 जून 2026 तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, शपथ समारोह और जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर ली गई शपथ में उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे, नशे के दुष्परिणामों के प्रति समाज को जागरूक करेंगे तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों तक सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश पहुँचाने के लिए ऐसे जागरूकता अभियान अत्यंत आवश्यक हैं। सामूहिक प्रयासों से ही एक नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

जिस्मफरोशी के लिए लड़कियां सप्लाई करने वाला एजेंट गिरफ्तार, 200 से अधिक ग्राहकों से जुड़ा था नेटवर्क

ठाणे / मीरा-भाईंदर : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा-भाईंदर क्षेत्र में जिस्मफरोशी के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा करते हुए पुलिस ने एक पुरुष एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले दो वर्षों से मुंबई, ठाणे और मीरा-भाईंदर समेत विभिन्न शहरों में ग्राहकों को लड़कियां सप्लाई कर रहा था और अब तक 200 से अधिक ग्राहकों को इस अवैध धंधे से जोड़ चुका है।

यह कार्रवाई मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बाल संरक्षण कक्ष की टीम द्वारा की गई। पुलिस को इस संबंध में ठाणे के समाजसेवक डॉ. बिनु वर्गीस से सूचना प्राप्त हुई थी कि काशीमीरा पुलिस स्टेशन की सीमा में पेकरपाड़ा रोड स्थित शिवानी रेजिडेंसी (लोटस लॉजिंग) के पास एक एजेंट ग्राहकों को लड़कियां सप्लाई करने आने वाला है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने बोगस ग्राहक और पंचों की मदद से जाल बिछाया और मौके पर छापा मारकर आरोपी एजेंट को हिरासत में ले लिया। इस दौरान एक पीड़ित लड़की को भी सेक्स रैकेट के चंगुल से मुक्त कराया गया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी लड़कियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर उन्हें फंसाता था और संगठित तरीके से यह अवैध धंधा चला रहा था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं तथा कितनी अन्य लड़कियों को इस दलदल में धकेला गया है।

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और पीटा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, रेस्क्यू की गई पीड़ित लड़की को सुरक्षित महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच और महिला अत्याचार प्रतिबंधक कक्ष की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

किया इंडिया ने कीमतों में 2% तक की बढ़ोतरी की घोषणा की,1 जुलाई से महंगी होंगी किआ इंडिया की गाड़ियां

मुंबई, 19 जून 2026: देश के प्रमुख मास-प्रीमियम ऑटोमेकर, किआ इंडिया ने अपने वाहनों की संपूर्ण रेंज की कीमतों में 2% तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। बढ़ी हुई दर 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। इनपुट लागतों (लागत मूल्य) में वृद्धि और परिचालन खर्च में इजाफे के कारण यह फैसला लिया गया है। किआ इंडिया अपने ग्राहकों को श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ उत्पाद और ओनरशिप एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का एक बड़ा हिस्सा आंतरिक रूप से खुद वहन करके मूल्य वृद्धि को न्यूनतम रखने का प्रयास किया है, ताकि ग्राहकों पर इसका बोझ कम से कम पड़े। कीमतों में होने वाली यह वृद्धि अलग-अलग मॉडलों और वेरिएंट्स के आधार पर भिन्न होगी। गाड़ी की कीमत के बदले जो वैल्यू ग्राहक को मिलती है, वह बनी रहेगी।

ठाणे में 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाएगा लोगों से सुबह 6:45 बजे आने की अपील

ठाणे। यूनाइटेड नेशंस ने 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे घोषित किया है। भारत की लगभग 5000 साल पुरानी प्राचीन योग परंपरा पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल तोहफ़ा है, और योग किसी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए बहुत उपयोगी है। इसलिए, हर साल 21 जून को दुनिया भर में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

महाराष्ट्र सरकार और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, 21 जून, 2026 को 11वां इंटरनेशनल योगा डे बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है।इस संबंध में, ठाणे जिले में स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, खेल और युवा क्लबों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी से एक योग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

तहसील स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में योग कैंप का आयोजन

जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के मार्गदर्शन में, ठाणे के जिला स्पोर्ट्स ऑफिसर ऑफिस ने पतंजलि योग समिति, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, ठाणे और दूसरे योग संस्थानों के साथ मिलकर 21 जून, 2026 को सुबह 6:45 बजे तहसील स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ठाणे (कोपरी) में मुख्य इंटरनेशनल योग दिवस कार्यक्रम (योग कैंप) का आयोजन किया है।इस खास दिन के मौके पर,जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और जिला क्रीड़ा अधिकारी सुवर्णा बार्टक्के ने ठाणे के सभी नागरिकों, संस्थानों और योग के शौकीनों से इस कैंप में हिस्सा लेने की अपील की है।

सीए परीक्षा में श्रेयश शिंदे की शानदार सफलता, पहले ही प्रयास में हासिल की बड़ी उपलब्धि

ठाणे : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा आयोजित देश की प्रतिष्ठित सीए फाइनल परीक्षा का परिणाम आज घोषित किया गया। इस परीक्षा में डोंबिवली के सोहन मांजरेकर ने देशभर में तीसरा स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है, वहीं मुंबई के श्रेयश दीपक शिंदे ने पहले ही प्रयास में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। मुंबई के बोरिवली निवासी श्रेयश शिंदे ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर सीए फाइनल परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण कर अपने माता-पिता का सपना साकार किया है। उनकी इस उपलब्धि पर हर स्तर से उन्हें बधाइयाँ दी जा रही हैं। मूल रूप से रत्नागिरी जिले के मंडणगड तालुका स्थित कादवण जैसे छोटे से गांव से आने वाले श्रेयश शिंदे ने अपनी सफलता से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गांव का नाम गर्व से ऊंचा किया है। विशेष बात यह है कि उन्होंने पंचक्रोशी क्षेत्र से पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव भी हासिल किया है।

ड्यूटी के दौरान शहीद हुए फायर ऑफिसर सागर शिंदे के परिवार के लिए आगे आया इंसानियत का हाथ

ठाणे मनपा सभागृह नेता हनुमंत जगदाले देंगे पांच साल का पूरा मानदेय

ठाणेः गावदेवी मंडई में हुए भीषण आग हादसे में अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुए फायर विभाग के अधिकारी सागर शिंदे की मृत्यु से पूरा ठाणे शहर शोक में डूब गया है। अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित शिंदे ने दो महीने के मासूम बच्चे और अपने परिवार को पीछे छोड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया।

इस दुखद घटना के बीच ठाणे महानगरपालिका के सभागृह नेता हनुमंत जगदाले ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वे अगले पांच वर्षों तक नगरसेवक के रूप में मिलने वाला अपना पूरा मानदेय सागर शिंदे के परिवार को प्रदान करेंगे। उनके इस निर्णय का शहरभर में स्वागत किया जा रहा है और इसे संवेदनशीलता तथा सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक माना जा रहा है।

गावदेवी मंडई में लगी आग के दौरान सागर शिंदे ने अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव कार्य किया और अंततः कर्तव्य पथ पर वीरगति को प्राप्त हुए। उनके निधन से उनकी पत्नी, दो महीने का बच्चा और पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

इस संबंध में हनुमंत जगदाले ने कहा, मैं पिछले कई वर्षों से झुग्गी बस्तियों के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और आम परिवारों के संघर्ष को करीब से देखा है। सागर शिंदे के परिवार पर जो दुख आया है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मेरी यह मदद उनके दर्द को कम नहीं कर सकती, लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता और इंसान होने के नाते मुझे जो उचित लगा, मैंने वही निर्णय लिया है।

इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के नेता नजीब मुल्ला ने भी ठाणे मनपा के गार्ड कालू गाडेकर के परिवार की सहायता के लिए इसी तरह का कदम उठाने की घोषणा की है।

गावदेवी मंडई आग हादसे ने दो परिवारों से उनका सहारा छीन लिया है। ऐसे कठिन समय में जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई यह पहल केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और इंसानियत का मजबूत संदेश भी दे रही है।

रिश्तों की गहराई नहीं, ग्लैमर का शोर ज्यादा दर्शकों को अधूरा छोड़ जाती है 'कॉकटेल 2'

बॉलीवुड में जब भी किसी सफल फिल्म का सीक्वल बनता है तो उसके साथ दर्शकों की उम्मीदें भी कई गुना बढ़ जाती हैं। खासकर तब, जब मूल फिल्म ने अपने समय में एक अलग पहचान बनाई हो। वर्ष 2012 में रिलीज हुई 'कॉकटेल' ऐसी ही फिल्मों में से एक थी जिसने दोस्ती, प्यार, त्याग और रिश्तों की उलझनों को आधुनिक अंदाज में पेश कर युवाओं के दिलों में खास जगह बनाई थी। फिल्म की कहानी, उसके किरदार और संगीत लंबे समय तक लोगों की यादों में बने रहे। ऐसे में जब 'कॉकटेल 2' की घोषणा हुई तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों को उम्मीद थी कि यह फिल्म भी आधुनिक रिश्तों की जटिलताओं को संवेदनशीलता और गहराई के साथ सामने लाएगी। लेकिन बड़े पर्दे पर पहुंचने के बाद यह उम्मीद धीरे-धीरे निराशा में बदलती नजर आती है। 'कॉकटेल 2' देखने के बाद सबसे पहला एहसास यही होता है कि फिल्म अपने भव्य प्रस्तुतिकरण और खूबसूरत दृश्यों के बावजूद भावनात्मक स्तर पर दर्शकों को छू नहीं पाती। यह फिल्म रिश्तों की कहानी कहने का प्रयास तो करती है, लेकिन उन रिश्तों को जीवंत बनाने में असफल रहती है। परिणाम यह होता है कि दर्शक किरदारों के संघर्ष को देखते तो हैं, लेकिन उसे महसूस नहीं कर पाते। फिल्म की कहानी कुणाल, दीया और एली नाम के तीन किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। कुणाल और दीया कई वर्षों से एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों एक ऐसे आधुनिक रिश्ते में बंधे हैं जहां प्रेम तो है, लेकिन शादी जैसी सामाजिक संस्था को वे ज्यादा महत्व नहीं देते। उनकी जिंदगी सामान्य गति से चल रही होती है, तभी एली की एंट्री होती है और सब कुछ बदलने लगता है। इसके बाद कहानी प्रेम, आकर्षण, असुरक्षा, प्रतिबद्धता और रिश्तों की बदलती परिभाषाओं के बीच आगे बढ़ती है। सुनने में यह कहानी काफी रोचक लगती है, लेकिन समस्या इसकी प्रस्तुति में है। फिल्म शुरुआत से ही अपने किरदारों को मजबूत आधार देने में नाकाम रहती है। दर्शकों को कभी यह महसूस नहीं होता कि कुणाल और दीया का रिश्ता वास्तव में इतना गहरा और मजबूत है कि उसके टूटने से जीवन बिखर सकता है। दोनों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को जिस तरह से दिखाया गया है, वह बेहद सतही प्रतीत होता है। यही कारण है कि जब उनके रिश्ते में दरार आती है तो दर्शक उससे भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाते। एली का किरदार कहानी में नया मोड़ लाने के लिए जोड़ा गया है, लेकिन उसका विकास भी अधूरा लगता है। फिल्म यह समझाने में सफल नहीं हो पाती कि आखिर कुणाल और एली के बीच आकर्षण किस गहराई से विकसित होता है। कई दृश्य ऐसे लगते हैं जैसे उन्हें केवल कहानी में ड्रामा बढ़ाने के लिए रखा गया हो। परिणामस्वरूप प्रेम त्रिकोण का पूरा ताना-बाना कृत्रिम और बनावटी महसूस होने लगता है। निर्देशक होमी अदजानिया ने आधुनिक रिश्तों की जटिलताओं को पकड़ने की कोशिश जरूर की है, लेकिन पटकथा उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाती है। कहानी कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है। क्या लंबे समय तक साथ रहना ही प्रेम की गारंटी है? क्या आकर्षण और प्रेम अलग-अलग चीजें हैं? क्या रिश्तों में स्वतंत्रता और प्रतिबद्धता साथ-साथ चल सकती हैं? लेकिन दुर्भाग्य से फिल्म इन सवालों के उत्तर तलाशने के बजाय बार-बार भावनात्मक टकराव और ग्लैमरस दृश्यों की ओर लौट जाती है। फिल्म का एक और बड़ा दोष इसकी लंबाई है। लगभग ढाई घंटे की अवधि में कहानी कई बार खुद को दोहराती हुई नजर आती है। एक ही तरह के भावनात्मक संघर्ष बार-बार सामने आते हैं और दर्शक धीरे-धीरे थकान महसूस करने लगते हैं। जिन दृश्यों का उद्देश्य भावनात्मक प्रभाव पैदा करना है, वे कई बार अनावश्यक रूप से लंबे और खींचे हुए लगते हैं। अभिनय की बात करें तो शाहिद कपूर फिल्म के सबसे मजबूत पक्ष के रूप में उभरते हैं। कमजोर लेखन के बावजूद उन्होंने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास किया है। कई दृश्यों में उनका अभिनय फिल्म को संभालता हुआ दिखाई देता है। उनके चेहरे के भाव और संवाद अदायगी दर्शाते हैं कि वह अपने किरदार की भावनाओं को समझते हैं। यदि पटकथा थोड़ी और मजबूत होती तो उनका प्रदर्शन कहीं अधिक प्रभावशाली साबित हो सकता था। कृति सेनन अपने किरदार में आकर्षक और आत्मविश्वासी नजर आती हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस प्रभावशाली है और कई दृश्यों में वह दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रहती हैं। लेकिन उनके किरदार की सबसे बड़ी समस्या उसका असंगत लेखन है। कभी वह बेहद मजबूत दिखाई देती हैं तो अगले ही दृश्य में उनका व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है। इस अस्थिरता के कारण दर्शकों के लिए उनके चरित्र को समझ पाना कठिन हो जाता है। रश्मिका मंदाना के हिस्से में फिल्म का सबसे कमजोर लिखा गया किरदार आया है। एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री होने के बावजूद उन्हें ऐसा चरित्र मिला है जो अपनी पूरी क्षमता तक कभी पहुंच ही नहीं पाता। फिल्म उन्हें भावनात्मक रूप से असुरक्षित और लगातार संघर्षरत व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है, लेकिन उनके भीतर की परतों को खोलने का प्रयास नहीं करती। परिणामस्वरूप उनका किरदार केवल कहानी को आगे बढ़ाने का माध्यम बनकर रह जाता है। तकनीकी दृष्टि से फिल्म काफी मजबूत है। सिसिली की खूबसूरत लोकेशंस हर फ्रेम को आकर्षक बनाती हैं। कैमरा वर्क शानदार है और सिनेमैटोग्राफी दर्शकों को दृश्यात्मक आनंद देती है। समुद्र किनारे फिल्माए गए दृश्य, रंगों का उपयोग और भव्य प्रोडक्शन डिजाइन फिल्म को एक अंतरराष्ट्रीय लुक प्रदान करते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि निर्देशक ने भावनात्मक गहराई की कमी को दृश्यात्मक सुंदरता से भरने की कोशिश की है। फिल्म का संगीत भी इसकी सकारात्मक उपलब्धियों में शामिल है। कुछ गाने सुनने में मधुर हैं और कहानी के मूड को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी कई दृश्यों में प्रभावी साबित होता है। हालांकि अच्छे संगीत के बावजूद फिल्म भावनात्मक स्तर पर वह असर पैदा नहीं कर पाती जिसकी अपेक्षा दर्शक करते हैं। 'कॉकटेल 2' की सबसे बड़ी विफलता यह है कि यह अपने पात्रों के दर्द, प्रेम और संघर्ष को दर्शकों तक पहुंचाने में सफल नहीं होती। रिश्तों पर आधारित फिल्मों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि दर्शक किरदारों की भावनाओं को महसूस कर सकें। यहां दर्शक घटनाओं को देखते तो हैं, लेकिन उनसे जुड़ नहीं पाते। फिल्म कई बार इतनी स्टाइलिश और ग्लैमरस हो जाती है कि उसके भीतर छिपी भावनाएं कहीं खो जाती हैं।जिस फिल्म को आधुनिक रिश्तों की जटिलताओं का ईमानदार चित्रण बनना चाहिए था, वह अंततः एक चमकदार लेकिन सतही अनुभव बनकर रह जाती है। कहानी में भावनात्मक सच्चाई की कमी लगातार महसूस होती है।

फैशन स्टार्टअप्स के लिए खुला 100 करोड़ का खजाना, 'पिच टू गेट रिच' सीजन-2 से बदल सकती है हजारों उद्यमियों की किस्मत

भारत में फैशन उद्योग तेजी से नए आयाम छू रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और बदलती उपभोक्ता पसंद ने फैशन कारोबार को पहले से कहीं अधिक व्यापक और प्रतिस्पर्धी बना दिया है। ऐसे समय में जब हजारों युवा अपने फैशन आइडियाज को बड़े ब्रांड में बदलने का सपना देख रहे हैं, उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती निवेश, मार्गदर्शन और बाजार तक पहुंच की होती है। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से देश के पहले फैशन-केंद्रित बिजनेस रियलिटी शो 'पिच टू गेट रिच' ने अपने दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। इस ऐलान के साथ ही भारतीय फैशन उद्योग में उत्साह की नई लहर दौड़ गई है। शो के आयोजकों ने दूसरे सीजन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके साथ ही 100 करोड़ रुपये के विशाल निवेश कोष की घोषणा की है। यह राशि पहले सीजन की तुलना में लगभग 150 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। इस घोषणा ने फैशन स्टार्टअप जगत में नई उम्मीदें जगा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल भारत में फैशन उद्यमिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। 'पिच टू गेट रिच' केवल एक टेलीविजन शो नहीं है, बल्कि यह उन युवा उद्यमियों के लिए एक ऐसा मंच बन चुका है जो अपनी रचनात्मकता, व्यवसायिक दृष्टि और नवाचार के दम पर फैशन उद्योग में पहचान बनाना चाहते हैं। पहले सीजन की सफलता ने यह साबित कर दिया था कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल सही मंच और सही अवसर की है। पहले सीजन में भाग लेने वाले कई ब्रांड्स ने निवेश हासिल करने के बाद उल्लेखनीय विकास किया और बाजार में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की। इसी सफलता को देखते हुए अब दूसरे सीजन को और अधिक बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है। इस शो की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां केवल निवेश नहीं मिलता, बल्कि उद्यमियों को व्यवसाय की बारीकियों को समझने का अवसर भी मिलता है। प्रतिभागियों को अनुभवी उद्योग विशेषज्ञों, सफल उद्यमियों और निवेशकों के सामने अपने विचार प्रस्तुत करने का मौका दिया जाता है। यह प्रक्रिया उन्हें अपने व्यवसाय मॉडल को बेहतर बनाने, बाजार की जरूरतों को समझने और दीर्घकालिक रणनीति विकसित करने में मदद करती है।

इस बार घोषित 100 करोड़ रुपये का निवेश कोष भारतीय फैशन स्टार्टअप क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। आमतौर पर शुरुआती स्तर के उद्यमियों को निवेश जुटाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ता है। कई बार बेहतरीन विचार केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ पाते क्योंकि उनके पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होते। ऐसे में यह कोष उन हजारों युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है जो अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। शो को बॉलीवुड अभिनेता Akshay Kumar, फिल्म निर्माता Karan Johar और कई प्रमुख उद्योगपतियों का समर्थन प्राप्त है। इन बड़ी हस्तियों की भागीदारी ने कार्यक्रम की विश्वसनीयता और आकर्षण को और बढ़ा दिया है। उनका मानना है कि भारत में फैशन उद्योग केवल रचनात्मकता का क्षेत्र नहीं, बल्कि रोजगार, निर्यात और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। अक्षय कुमार ने इस पहल के बारे में कहा कि भारत के युवा फैशन उद्यमियों में विश्वस्तरीय ब्रांड बनाने की क्षमता मौजूद है। उनके अनुसार यह निवेश केवल कुछ कंपनियों में धन लगाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह भारतीय फैशन उद्योग के भविष्य पर विश्वास का प्रतीक है। उनका मानना है कि यदि प्रतिभाशाली युवाओं को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे वैश्विक स्तर पर भारतीय ब्रांड्स को नई पहचान दिला सकते हैं।आज भारत का फैशन बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। ऑनलाइन खरीदारी की बढ़ती लोकप्रियता, सोशल मीडिया आधारित मार्केटिंग और बदलती जीवनशैली ने नए ब्रांड्स के लिए अनेक अवसर पैदा किए हैं।

» संक्षिप्त खबरें

विधान परिषद चुनाव में क्रॉस वोटिंग ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन, प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली तलब

नई दिल्ली कर्नाटक में विधान परिषद चुनाव के दौरान हुई क्रॉस-वोटिंग को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कर्नाटक भाजपा के प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र और कुछ अन्य नेताओं को तलब किया है। पार्टी सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि नवीन ने चुनाव में हुई क्रॉस-वोटिंग पर कड़ी नाराजगी जताई है और विजयेंद्र व अन्य नेताओं से 23 जून को उनसे मिलने के लिए दिल्ली आने को कहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद हुई पहली चुनावी जंग में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने गुरुवार को विधान परिषद की सात सीटों में से पांच पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी BJP को दो सीटें मिलीं। सूत्रों ने बताया कि नतीजों से BJP और JD(S) विधायकों द्वारा कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग किए जाने की बात भी सामने आई है,

गृह मंत्री बोले- शीर्ष अदालतों के साथ मिलकर लंबित मामले कम करने का ब्लूप्रिंट तैयार कर रहा मंत्रालय

नई दिल्ली केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन 2026 का उद्घाटन करते हुए कहा, गृह मंत्रालय सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के साथ मिलकर लंबित मामलों को कम करने का ब्लूप्रिंट तैयार कर रहा है। उन्होंने तीन ऐप लांच किए हैं। इनकी मदद से लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा होगा। साथ ही ये ऐप समयबद्ध न्याय का माध्यम बनेंगे। एआई की मदद से 37 करोड़ ऑनलाइन रिकार्ड, अपराधियों को पकड़ने का टूल एक महत्वपूर्ण टूल बनेगा। गृह मंत्री ने जो तीन ऐप लॉन्च किए हैं, उनमें एनसीआरबी-अभिज्ञान सीआरपीआई, ई-प्रॉसिक्यूशन 2.0 और ई-फॉरेंसिक्स 2.0 ऐप्स शामिल हैं। ये ऐप, लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने में मददगार साबित होंगे। एफआईआर से कन्विक्शन तक तीन साल के भीतर न्याय सुनिश्चित करना, मोदी सरकार के क्रिमिनल जस्टिस रिफॉर्म्स का प्रमुख उद्देश्य है। शाह ने कहा, अपराधी कितना भी चतुर हो, कानून और विज्ञान की संयुक्त शक्ति से नहीं बच सकता।

एनएएफआईएस, सीआरपीआई, ई-प्रॉसिक्यूशन और ई-फॉरेंसिक्स सेंटर ने क्रिमिनल जस्टिस चेन को टेक्नोलॉजी से जोड़ा है। अब डेटा को एक्शन योग्य इंटेलिजेंस में बदला जा रहा है। पारंपरिक फोर्स-आधारित पुलिसिंग मॉडल से आगे बढ़कर साइंटिफिक एविडेंस आधारित इन्वेस्टिगेशन को अपराध नियंत्रण का सबसे प्रभावी माध्यम बना रहा है एआई, मशीन लर्निंग और पैटर्न एनालिसिस के जरिए रिपीट ऑफेंडर्स और अंतरराज्यीय अपराध नेटवर्क को अपराध करने से पहले रोकने का नया फ्रेमवर्क विकसित किया जा रहा है। एनसीआरबी और बीपीआरडी, ये दोनों संगठन केवल रिकॉर्ड रखने

का काम नहीं करेंगे। ये संगठन इससे आगे बढ़कर इंटेलिजेंस-ड्रिवन क्राइम प्रिवेंशन संस्था में तबदील हो रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने YIL आयुध कारखाने में किया भूमि पूजन, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन पर भी बोले रक्षा मंत्री

नागपुर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को नागपुर के अंबाझरी में थे। यहां उन्होंने आयुध कारखाने में सरकारी कंपनी 'यंत्र इंडिया लिमिटेड' (YIL) की 10,000 टन की एल्युमीनियम एक्सट्रूजन प्रेस का शिलान्यास किया। यह नई सुविधा रक्षा क्षेत्र में जरूरी एल्युमीनियम पुर्जों के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पारंपरिक युद्ध और उसके तरीके आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने 1947 में थे। उन्होंने जोर दिया कि साल 2047 में भी इनकी अहमियत बनी रहेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध छिड़ने पर सप्लाई चेन टूट सकती है। ऐसी स्थिति में हर देश चाहता है कि जरूरी सामान का निर्माण अपने ही देश में हो। जो राष्ट्र अपनी जरूरतें खुद पूरी करता है, वही आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भले ही युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा हो, सीमाएं धुंधली हो रही हों और दुश्मन बिना दिखाई दिए किसी देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन पारंपरिक युद्ध और सैन्य साधनों का महत्व अभी भी बरकरार है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 1947 में जैसे पारंपरिक युद्ध महत्वपूर्ण थे, वैसे ही 2047 में भी उनकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक चुनौतियों के बावजूद किसी भी देश की सुरक्षा में मजबूत सैन्य औद्योगिक आधार की भूमिका लंबे समय तक महत्वपूर्ण रहने वाली है। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाना और सैन्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना भारत की रणनीतिक जरूरत है। उनके मुताबिक मजबूत रक्षा उद्योग ही भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने की सबसे बड़ी ताकत बनेगा। उन्होंने आगे ने कहा कि 2021 में ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों के कॉरपोरेटाइजेशन के बाद सरकार का स्पष्ट लक्ष्य था

'यह मुंबई हमारी है': शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस पर उद्धव गुट ने विरोधियों को दिया संदेश, गिनाई उपलब्धियां

मुंबई शिवसेना की स्थापना को आज 60 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट ने विरोधियों को कड़ा संदेश दिया है। पार्टी का कहना है कि पिछले छह दशकों में उसे तोड़ने और कमजोर करने की बहुत कोशिशें हुईं। विरोधियों के मन में शिवसेना का इतना डर था कि उन्होंने समय-समय पर कई समानांतर संगठन बनाए, लेकिन वे सब खत्म हो गए। बालासाहेब ठाकरे ने जो नींव रखी थी और जो विचारधारा स्थापित की थी, वह आज भी मजबूती से खड़ी है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में हालिया बगावत पर तीखा निशाना साधा गया है। इसमें कहा गया कि आज व्यावसायिक सोच वाले कई नकली संगठन खड़े किए जा रहे हैं। शिवसेना की स्थापना कभी किसी व्यापारिक सौदे के लिए नहीं हुई थी। बालासाहेब ने पार्टी को कभी कारोबार नहीं बनने दिया। इसीलिए समय-समय पर उन लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया गया जो केवल सौदेबाजी और अवसर की तलाश में थे। इससे मराठी अस्मिता और हिंदुत्व की धारा शुद्ध बनी रही, जिसकी गूंज आज भी पूरे महाराष्ट्र में सुनाई देती है। संपादकीय के अनुसार, शिवसेना ने मराठी समाज को स्वाभिमान से जीना सिखाया। लोगों को यह भरोसा दिलाया कि वे गर्व से कह सकें, 'यह मुंबई हमारी है।' पार्टी ने आम लोगों को पार्षद और नेता बनाया। शिवसेना की शाखाओं का नेटवर्क जनता के लिए किसी पारिवारिक अदालत की तरह काम करता था। शिवसैनिकों ने सड़क, पानी, स्कूल और अस्पताल जैसी समस्याओं के समाधान के लिए दिन-रात काम किया। किसी भी अन्याय या दुर्घटना के समय शिवसैनिक ही सबसे पहले मौके पर पहुंचते थे।

करोड़ के कर्ज की वसूली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, बैंक और उधारकर्ताओं की मिलीभगत पर जताई चिंता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ मामलों में बैंकों, परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ARC) और कर्ज लेने वालों के बीच मिलीभगत दिखाई देती है। कोर्ट ने कहा कि बैंकों का पैसा जनता और करदाताओं का होता है, इसलिए कर्ज देने के बाद उसकी वसूली के लिए गंभीर प्रयास करना जरूरी है। कर्ज की रकम वापस न लाना और उस पर ढंग से कार्रवाई न करना स्वीकार नहीं किया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने कहा कि उन्हें केवल सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की चिंता है, जिसे लोगों के कल्याण के लिए खर्च किया जाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य को नोटिस जारी कर उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को देय 1,537 करोड़ रुपये के कर्ज का निपटारा दो। परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) के माध्यम से मात्र 73.50 करोड़ रुपये में किया गया था। सुनवाई के दौरान, पीठ ने तनावग्रस्त कर्ज के निपटान के तरीके पर चिंता व्यक्त की। पीठ ने कहा, 'कर्जदारों, एआरसी और बैंकों के बीच यह एक गहरी जड़ें जमाई हुई सांठगांठ है।' शीर्ष न्यायालय ने कहा कि वह

बैंकों की व्यावसायिक बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में प्रवेश करने की सीमाओं से अवगत है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कहा कि भारी मात्रा में ऋण राशि छूट पर हस्तांतरित की जा रही है, जिससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान हो रहा है। जांच करने की सख्त जरूरत उपाध्याय ने कहा, 'यह कोई एक मामला नहीं है। मैं कह रहा हूं कि यह तो हिमबर्ग का एक छोटा सा हिस्सा है।' उन्होंने आगे कहा कि याचिकाकर्ता बैंकों, एआरसी और उधारकर्ताओं के बीच इस सांठगांठ की जांच की मांग कर रहे हैं। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि एआरसी के कामकाज की जांच करने की सख्त जरूरत है। इस मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी गई। अधिवक्ता अश्वनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में एआरसी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और नोएडा स्थित एक इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म से जुड़े कथित बैंकिंग धोखाधड़ी की जांच की मांग की गई है।

इसने केंद्र को निर्देश देने की मांग की है कि वह 'आरबीआई, एसईबीआई, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ), ईडी और सीबीआई के अधिकारियों सहित एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति का गठन करे, जो परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) द्वारा सुगम बनाए गए कॉर्पोरेट और बैंकिंग धोखाधड़ी की जांच करे'। याचिका के अनुसार, बुनियादी ढांचा निर्माण कंपनी ने 2012 और 2015 के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले सात बैंकों के एक संघ से लगभग 912 करोड़ रुपये के कर्ज प्राप्त किए थे। इसमें आरोप लगाया गया कि 2018 में किए गए एक फोरेंसिक ऑडिट में ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि 902 करोड़ रुपये से अधिक की रकम शेल कंपनियों, गैर-मौजूद विक्रेताओं, अघोषित बैंक खातों और संदिग्ध धोखाधड़ी वाले लेनदेन के माध्यम से डायवर्ट की गई थी।

आंध्र प्रदेश विस्फोटक बरामदगी केस में अली ने धोखाधड़ी से हासिल की सरकारी आईडी, आरोपी 1999 से था फरार

नई दिल्ली आंध्र प्रदेश विस्फोटक बरामदगी केस में मोहम्मद अली ने धोखाधड़ी से सरकारी पहचान पत्र हासिल किया था। वह 1999 के बम धमाके के मामले में तमिलनाडु से फरार हो गया था। एनआईए ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश मामले में दूसरे आरोपी मोहम्मद अली के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए विस्फोटक बरामद होने से जुड़ा है।

विजयवाड़ा में एनआईए की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में, आरोपी शेख मंसूर उर्फ मोहम्मद अली उर्फ विजयकुमार का नाम यूए (पी) एक्ट, 1967 और बीएनएस, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत शामिल किया गया है। मोहम्मद अली, पहले चार्जशीट किए गए आरोपी शेख अमानुल्ला उर्फ अबू बकर सिद्दीक का करीबी सहयोगी और साजिश में शामिल साथी था। उसे इस मामले में दिसंबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था।

इस मामले में अब तक शेख अमानुल्ला समेत कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एनआईए ने फरवरी 2026 में शेख अमानुल्ला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। शेख अमानुल्ला के घर से विस्फोटक और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी।

गिरफ्तारी के समय, मोहम्मद अली फर्जी पहचान के साथ रह रहा था। वह 1999 के बम धमाके के मामले में तमिलनाडु से फरार हो गया था। वह आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के रायचोटी शहर में शेख मंसूर के फर्जी नाम से रह रहा था। इसके लिए उसने धोखाधड़ी से हासिल किए गए सरकारी पहचान पत्र का इस्तेमाल किया था।

एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, शेख अमानुल्ला ने मोहम्मद अली को कट्टरपंथी बनाया। बाद में उसे अपने संगठन में भर्ती किया। इतना ही नहीं, उसे बम बनाने की ट्रेनिंग दी।

मोहम्मद अली ने अमानुल्ला की मदद से विस्फोटक सामग्री को रायाचोटी में एक ठिकाने तक पहुंचाया था। एनआईए की जांच से पता चला है कि इन दोनों ने लोगों के बीच दहशत फैलाने और भारत में शरिया कानून लागू करने के अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए एक खास समुदाय के नेताओं की टारगेटेड हत्याओं की साजिश रची थी।

महिलाओं की सुरक्षा पर NCW सख्त: हर साल पॉश ऑडिट कराने की सिफारिश, कहा-गरिमा और नौकरी में न करना पड़े चुनाव

नई दिल्ली राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह जारी की। आयोग ने कहा कि महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल देने के

लिए हर साल पॉश ऑडिट कराना अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने और शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए POSH कानून, 2013 के नियमों को सख्ती से लागू करने के कई सुझाव दिए गए हैं। यह सलाह

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को भेजी गई है। जमीनी स्तर पर प्रवर्तन और जवाबदेही के लिए इसे देश भर के जिला मजिस्ट्रेटों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को भी वितरित किया गया है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया राहटकर

ने कहा 'किसी महिला को कभी भी अपनी गरिमा

और आजीविका के बीच चुनाव नहीं करना चाहिए। हर कार्यस्थल सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर का स्थान होना चाहिए।

पासपोर्ट अब हर भारतीय का अधिकार', विदेश मंत्री ने बताया पहले से कितनी बदली व्यवस्था

नई दिल्ली विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत में पासपोर्ट सेवा अब पूरी तरह लोकतांत्रिक और सुलभ हो चुकी है। वित्त वर्ष 2025-26 में 138 लाख से अधिक पासपोर्ट जारी किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिभा की वैश्विक मांग बढ़ रही है और पासपोर्ट आर्थिक प्रगति, अंतरराष्ट्रीय अवसरों तथा विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। आइए, विस्तार से जानते हैं विदेश मंत्री ने पासपोर्ट सेवाओं पर और क्या कुछ कहा...

भारत में पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान, तेज और सुलभ हो गई है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वार्षिक क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी सम्मेलन में कहा कि आज पासपोर्ट सेवा पूरी तरह लोकतांत्रिक हो चुकी है और यह विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण इंजन का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले पासपोर्ट बनवाना एक विशेष सुविधा माना जाता था, लेकिन अब यह आम नागरिकों तक आसानी से पहुंच चुका है। यही वजह है कि देश में पासपोर्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। जयशंकर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में 138 लाख से अधिक पासपोर्ट जारी किए गए हैं। यह आंकड़ा भारतीयों की बढ़ती आकांक्षाओं और वैश्विक स्तर पर अवसरों की तलाश को दर्शाता है। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यूरोप दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा की मांग तेजी से बढ़ रही है। जी7 देशों, फ्रांस और स्लोवाकिया जैसे देशों में भारतीय युवाओं और पेशेवरों की क्षमता को काफी सम्मान मिल रहा है। ऐसे में पासपोर्ट भारतीयों के लिए वैश्विक अवसरों का द्वार बनता जा रहा है। पासपोर्ट सेवा 2.0 को क्यों बताया गया महत्वपूर्ण?

विदेश मंत्री ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 ने वैश्विक गतिशीलता को नई पहचान दी है। उनके अनुसार पासपोर्ट केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह आर्थिक प्रगति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और राष्ट्रीय पहचान का एक महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि पासपोर्ट प्राप्त करना नागरिकों के लिए संघर्ष नहीं बल्कि उनका अधिकार बने। इसी सोच के तहत सेवाओं को और अधिक पारदर्शी तथा डिजिटल बनाया गया है।

पासपोर्ट सेवा केंद्रों का नेटवर्क कितना बढ़ा? सम्मेलन में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2014 में देश में केवल 77 पासपोर्ट सेवा केंद्र थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 545 से अधिक हो गई है। इसके अलावा 454 पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र भी काम कर रहे हैं। इससे छोटे शहरों और दूरदराज के इलाकों के लोगों को भी पासपोर्ट सेवाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार का दावा है कि इससे आवेदन प्रक्रिया तेज हुई है और नागरिकों को कम समय में पासपोर्ट उपलब्ध हो रहा है। भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक पहचान कैसे मजबूत हुई? जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति ने

देश को विश्व बंधु के रूप में स्थापित किया है। इसका असर भारतीय पासपोर्ट की साख पर भी दिखाई देता है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर अगरतला जा रही इंडिगो की फ्लाइट पर गिरी बिजली, यात्रियों को उतारा गया सुरक्षित

कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को अगरतला जा रही इंडिगो की फ्लाइट पर बिजली गिरी। हालांकि यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया है।

कोलकाता भारतीय विमानन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को आंधी-तूफान के दौरान कोलकाता हवाई अड्डे पर खड़े इंडिगो के एक विमान पर बिजली गिर गई। यह घटना जब आंधी-तूफान और बारिश की स्थिति के बीच हुई, जिसके लिए हवाई अड्डा संचालन नियंत्रण केंद्र (एओसीसी) ने मौसम संबंधी चेतावनी जारी की थी। उन्होंने आगे बताया कि इस घटना में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ।

इंडिगो की फ्लाइट 6E6068 (VT-IPW) का विमान एयरोब्रिज 56रुपर खड़ा था, तभी बिजली गिरी। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर एयरलाइन ने यात्रियों को विमान से उतार दिया, जो बाद में दूसरे विमान (वीटी-आईसीडी) से रवाना हो गए। जब,320 विमान पर बिजली गिरी, तो उसमें 141 यात्री और छह क्रू सदस्य सवार थे। इंडिगो के अनुसार, दो ग्राउंड स्टाफ मामूली रूप से प्रभावित हुए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि बाद में उनकी हालत सामान्य हो गई। कोलकाता और आसपास के जिलों में शुक्रवार सुबह से ही आंधी-तूफान और बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया है और यातायात बाधित हो गया है।

बंगाल मतदाता सूची विवाद पर अदालत सख्त, नाम हटाने वाली याचिका पर जल्द फैसला करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने एक वरिष्ठ वकील की याचिका पर सुनवाई करते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण को निर्देश दिया कि वह मामले का जल्द निपटारा करे। अदालत ने कहा कि पहली नजर में याचिकाकर्ता पश्चिम बंगाल के वास्तविक निवासी प्रतीत होते हैं। इस टिप्पणी के बाद मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और उससे जुड़े विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं।

मामला 75 वर्षीय एक वकील से जुड़ा है, जिनका नाम विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटा दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह

पिछले करीब 50 वर्षों से वकालत कर रहे हैं और एसआईआर से पहले वैध मतदाता थे। नाम हटाए जाने के खिलाफ उन्होंने अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर की थी, लेकिन उस पर अब तक फैसला नहीं हुआ। इसी के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। **सुप्रीम कोर्ट ने क्या टिप्पणी की?**

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता पश्चिम बंगाल के वास्तविक निवासी दिखाई देते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को उस व्यवस्था की जानकारी है जो मतदाता सूची से जुड़े विवादों के समाधान के लिए बनाई गई है। अदालत ने मामले के गुण-दोष पर विस्तृत टिप्पणी किए बिना अपीलीय न्यायाधिकरण को याचिका पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश दिया।

न्यायाधिकरण को क्या निर्देश दिए गए?

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण से कहा कि वह मामले पर तेजी से सुनवाई करे और संभव हो तो दो महीने के भीतर फैसला सुनाए।

भिवंडी मनपा के सूचना बोर्ड पर बिल्डर का पोस्टर चिपकाने का मामला, अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

भिवंडी। शहर में अवैध बैनर और पोस्टरों के बढ़ते चलन के बीच भिवंडी महानगरपालिका के आधिकारिक सूचना बोर्ड पर एक बिल्डर का विज्ञापन चिपकाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मनपा प्रशासन हरकत में आया और संबंधित मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार, शहर के इंदिरा गांधी मेमोरियल (आईजीएम) अस्पताल के प्रवेश द्वार के सामने स्थित फ्लाईओवर के खंभे पर मनपा द्वारा एक चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। इस बोर्ड पर स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि सार्वजनिक स्थानों, बिजली के खंभों, स्ट्रीट लाइट पोल और फ्लाईओवर के कॉलम पर बिना अनुमति बैनर, होर्डिंग और पोस्टर लगाना प्रतिबंधित है तथा ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोप है कि देर रात एक युवक ने उसी मनपा सूचना बोर्ड पर एक निजी डेवलपर का विज्ञापन पोस्टर चिपका दिया, जिससे मनपा की चेतावनी पूरी तरह ढंक गई। इतना ही नहीं, इस दौरान डेवलपर के प्रचार का गीत बजाते हुए वीडियो भी बनाया गया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया

गया। वीडियो सामने आने के बाद नागरिकों में नाराजगी देखी गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी महानगरपालिका की प्रभाग समिति-1 के अधिकारी नितीन पंजाबराव जामनेकर ने निजामपुर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर में लंबे समय से अवैध बैनर, पोस्टर और भित्ति विज्ञापनों की भरमार को लेकर सवाल उठते रहे हैं। भिवंडी महानगरपालिका के पांचों प्रभागों में बड़ी संख्या में बिना अनुमति लगाए गए पोस्टर और बैनर दिखाई देते हैं। इनमें राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों के प्रचार-प्रसार से जुड़े पोस्टर भी शामिल हैं, जिससे शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है।

हालांकि मनपा का अतिक्रमण विभाग समय-समय पर अभियान चलाकर अवैध बैनर और पोस्टर हटाता है, लेकिन पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होने से इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। शहरवासियों ने मांग की है कि बिना अनुमति विज्ञापन लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और इस संबंध में ठोस नीति बनाकर मनपा के राजस्व में भी वृद्धि की जाए।

क्या वनडे विश्व कप में खेलेंगे रोहित-कोहली? बीसीसीआई सचिव ने तोड़ी चुप्पी, दिया बड़ा संकेत

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि 2027 वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम का रोडमैप तैयार करने की प्रक्रिया लगातार जारी है। हालांकि उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर कोई स्पष्ट टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सैकिया ने कहा कि चयन, टीम निर्माण और रणनीति से जुड़े मुद्दों पर नियमित चर्चा होती रहती है, लेकिन यह जानकारी सार्वजनिक करने के लिए नहीं होती। वहीं बांग्लादेश दौरे को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई केंद्र सरकार की नीतियों के अनुसार ही फैसला करेगा।भारत के 2027 वनडे विश्व कप अभियान को लेकर चर्चाएं तेज हैं। खासकर यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। इन अटकलों के बीच बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयान दिया है। सैकिया ने कहा कि 2027 विश्व कप के लिए टीम इंडिया की रणनीति और रोडमैप पर लगातार काम चल रहा है, लेकिन इस तरह की चर्चाएं बोर्डरूम तक ही सीमित रहनी चाहिए।

यह एक सतत प्रक्रिया है'

सैकिया ने कहा कि टीम के भविष्य को लेकर सभी संबंधित पक्षों के बीच नियमित बातचीत होती रहती है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक मजबूत टीम और कई विशेषज्ञ हैं। सभी हितधारकों को साथ लेकर निर्णय लिए जाते हैं। क्रिकेट समिति, चयनकर्ता, सपोर्ट स्टाफ, मुख्य कोच और संबंधित खिलाड़ियों के साथ लगातार चर्चा होती रहती है। इसके लिए किसी विशेष बैठक की जरूरत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है।' हालांकि उन्होंने यह बताने से साफ इनकार कर दिया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर अंदरूनी स्तर पर क्या चर्चा हो रही है।

रोहित-कोहली पर नहीं खोले पत्ते

हाल के महीनों में रोहित और कोहली के 2027 विश्व कप खेलने को लेकर काफी चर्चा हुई है। दोनों खिलाड़ी इस मेगा इवेंट में खेलने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब देने से बचते रहे हैं। सैकिया ने कहा, 'मैं मीडिया या जनता के सामने ऐसी जानकारी साझा नहीं कर सकता। ये रणनीतिक चर्चाएं हैं और इन्हें बोर्डरूम के भीतर ही रहना चाहिए।'

सरकार की नीति का पालन करेगा बीसीसीआई

सैकिया ने भारत के संभावित बांग्लादेश दौरे पर भी अपनी बात रखी। पिछले वर्ष बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण भारत का सीमित ओवरों का दौरा टाल दिया गया था। अब वहां नई

निर्वाचित सरकार और नया क्रिकेट प्रशासन मौजूद है। इस पर सैकिया ने कहा, 'बीसीसीआई का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हम भारत सरकार की नीतियों और दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। द्विपक्षीय या बहुराष्ट्रीय खेल आयोजनों को लेकर केंद्र सरकार जो नीति तय करती है, हम उसी के अनुसार चलते हैं।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी देश में किस प्रकार की सरकार है, इससे बीसीसीआई का कोई संबंध नहीं है।

भविष्य की तैयारी पर फोकस

सैकिया के बयान से इतना साफ है कि 2027 विश्व कप को लेकर बीसीसीआई ने तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर फिलहाल कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। आने वाले महीनों में टीम चयन, खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस के आधार पर कई बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। फिलहाल भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखते हुए आगे बढ़ना चाहता है।

24 साल की लेग स्पिनर को मिला टी20 विश्वकप का टिकट, जानें चयनकर्ताओं ने क्यों जताया भरोसा

महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच भारत को बड़ा झटका लगा है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पटिल टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह 24 वर्षीय लेग स्पिनर प्रेमा रावत को पहली बार भारतीय सीनियर टीम में शामिल किया गया है। प्रेमा हाल के महीनों में इंडिया-ए और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर यह नई खिलाड़ी कौन हैं, जिन पर विश्व कप जैसे बड़े मंच पर भरोसा जताया गया है।भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप के बीच बड़ा झटका तब लगा जब श्रेयंका पटिल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। हालांकि चयनकर्ताओं ने ज्यादा इंतजार नहीं किया और उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को टीम में शामिल कर लिया। यह पहली बार है जब प्रेमा को भारतीय सीनियर महिला टीम में जगह मिली है। 24 वर्षीय स्पिनर के लिए यह करियर का सबसे बड़ा मौका माना जा रहा है।कैसे मिली टीम इंडिया में जगह प्रेमा रावत पिछले कुछ समय से इंडिया-ए और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। वह इंग्लैंड दौरे पर गई इंडिया-ए टीम का भी हिस्सा थीं, लेकिन श्रेयंका के बाहर होने के बाद उन्हें सीधे विश्व कप टीम में बुला लिया गया। चयनकर्ताओं ने उनकी हालिया फॉर्म और विकेट लेने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला लिया।

गंभीर के पसंदीदा गेंदबाज की वनडे टीम में वापसी; प्रिंस-गुरनूर या अर्शदीप, किसकी जगह मिलेगा मौका

भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने घुटने की चोट से उबरने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले टीम इंडिया में वापसी कर ली है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। राणा फरवरी में सर्जरी के बाद लंबे समय से क्रिकेट से दूर थे, जिसके चलते वह टी20 विश्व कप और आईपीएल 2026 से भी बाहर रहे। अब सवाल यह है कि सीरीज पहले ही जीत चुकी भारतीय टीम उन्हें अंतिम मुकाबले में मौका देती है या नहीं।अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी भारतीय टीम को तीसरे मुकाबले से पहले अच्छी खबर मिली है। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को चेन्नई में खेले जाने वाले अंतिम वनडे के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। राणा ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

चोट के कारण लंबे समय तक रहे बाहर

24 वर्षीय हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान दाएं घुटने में लिगामेंट स्ट्रेन हुआ था। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। इस चोट के कारण राणा टी20 विश्व कप 2026 और आईपीएल 2026 दोनों से बाहर हो गए थे। ऐसे में उनकी वापसी भारतीय टीम के लिए राहत की खबर है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बयान में कहा, 'हर्षित राणा ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और वह चेन्नई में वनडे टीम के साथ जुड़ गए हैं।'

गंभीर के पसंदीदा गेंदबाजों में गिने जाते हैं हर्षित

हर्षित राणा को भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भरोसेमंद खिलाड़ी माना जाता है। कोलकाता नाइट राइडर्स में गंभीर के मार्गदर्शन में राणा ने अपनी पहचान बनाई थी और उनकी आक्रामक गेंदबाजी ने चयनकर्ताओं का ध्यान भी खींचा। यही वजह है कि फिट होते ही उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

किसकी जगह मिलेगा मौका?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर भारत अंतिम वनडे में बदलाव करता है तो हर्षित राणा किसकी जगह खेलेंगे? सीरीज भारत पहले ही जीत चुका है, इसलिए टीम प्रबंधन बेंच स्ट्रेंथ को आजमा सकता है। तेज गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और गुरनूर बरार विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। अर्शदीप अपेक्षाकृत अनुभवी गेंदबाज हैं और उन्हें आराम दिया जा सकता है। वहीं प्रिंस यादव और गुरनूर बरार अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन युवा खिलाड़ियों के बीच रोटेशन कर सकता है। अब सवाल यह है कि सीरीज पहले ही जीत चुकी भारतीय टीम उन्हें अंतिम मुकाबले में मौका देती है या नहीं।अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी भारतीय टीम को तीसरे मुकाबले से पहले अच्छी खबर मिली है। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को चेन्नई में खेले जाने वाले अंतिम वनडे के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। राणा ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर, यशस्वी पर रहेंगी नजरें; क्या हर्षित राणा को मिलेगा मौका?

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली है और अब चेन्नई में खेले जाने वाले तीसरे मुकाबले में उसकी नजर 3-0 से क्लीन स्वीप पर होगी। वहीं, अफगानिस्तान की टीम अंतिम मैच जीतकर सम्मान बचाने और दौरे का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगी।अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम अब तीसरे और अंतिम मुकाबले में जीत दर्ज कर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शनिवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने शुरुआती दोनों मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज पर कब्जा जमाया है। ऐसे में अंतिम मैच में टीम प्रबंधन कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खास नजर रखेगा।

यशस्वी जायसवाल पर रहेंगी निगाहें

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पिछले मैच में सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए थे। वहीं कप्तान शुभमन गिल और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने शतक जड़कर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। आगामी इंग्लैंड सीरीज में विराट कोहली की संभावित वापसी के चलते बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। ऐसे में जायसवाल के लिए यह मुकाबला बड़ी पारी खेलकर अपनी दावेदारी मजबूत करने का अच्छा मौका होगा।

केएल राहुल की भूमिका पर भी रहेगा फोकस

टीम इंडिया के विकेटकीपर

बल्लेबाज केएल राहुल पर भी सबकी नजरें होंगी। उनसे उम्मीद होगी कि वह नंबर-6 पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने में मदद करें और अपनी नई भूमिका में खुद को साबित करें।

हर्षित राणा की वापसी से बढ़ी टीम की मजबूती

घुटने की चोट से उबरने के बाद तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा की टीम में वापसी हुई है। चेन्नई में उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। वहीं नितीश कुमार रेड्डी जांघ की चोट से जूझ रहे हैं, ऐसे में राणा को अपनी फिटनेस और फॉर्म दिखाने का अवसर मिल सकता है। टीम प्रबंधन आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए राणा के प्रदर्शन का आकलन करना चाहेगा।

अफगानिस्तान के सामने सम्मान बचाने की चुनौती

दूसरी ओर अफगानिस्तान की टीम इस दौरे पर भारत के खिलाफ दोनों प्रारूपों में संघर्ष करती नजर आई है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। अफगानिस्तान अंतिम मुकाबले में जीत दर्ज कर सम्मान बचाने और दौरे का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा, लेकिन उसके सामने मजबूत भारतीय टीम की चुनौती आसान नहीं होगी।

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा।

अफगानिस्तानः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अतल, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, इकराम अलीखिल, फरीद अहमद मलिक, एएम गजनफर, बिलाल सामी।

दिल्ली कैपिटल्स में बड़े बदलाव की तैयारीः गांगुली बनेंगे डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट, युवराज को भी मिली नई जिम्मेदारी

पूर्व भारतीय स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह आईपीएल 2027 से दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजी कोच बन सकते हैं। वहीं, टीम प्रबंधन में बड़े बदलाव के तहत सौरव गांगुली को डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। भारतीय टीम के पूर्व स्टार ऑलराउंडर और दो विश्व कप विजेता टीमों के हीरो युवराज सिंह आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के साथ बल्लेबाजी कोच के रूप में जुड़ने जा रहे हैं। आईपीएल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, युवराज 2027 सीजन से टीम के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा होंगे। यह आईपीएल में युवराज सिंह की पहली आधिकारिक कोचिंग भूमिका होगी। इससे पहले वह युवा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत स्तर पर मार्गदर्शन देते रहे हैं। भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, टी20 के नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी समय-समय पर युवराज से सलाह लेते रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में होगा बड़ा बदलाव सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली कैपिटल्स के पुरुष टीम

प्रबंधन में 2027-28 सीजन के लिए बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। टीम के सह-मालिक जेएसडब्ल्यू इस अवधि में फ्रेंचाइजी के संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके चलते मौजूदा कोचिंग स्टाफ में फेरबदल किया जाएगा। वर्तमान में जीएमआर समूह द्वारा नियुक्त किए गए क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, मुख्य कोच हेमंग बदानी और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल की जगह नए सपोर्ट स्टाफ को मौका दिया जाएगा।

गांगुली को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद संभालेंगे। बताया जा रहा है कि गांगुली की सिफारिश पर ही युवराज सिंह को टीम के साथ जोड़ा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युवराज के शुरुआती कप्तानों में गांगुली का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और दोनों के बीच लंबे समय से मजबूत संबंध रहे हैं। गांगुली पहले भी जेएसडब्ल्यू की एसए20 लीग फ्रेंचाइजी प्रिटोरिया कैपिटल्स और दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम के क्रिकेट संचालन की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। हालांकि युवराज केवल दिल्ली कैपिटल्स की पुरुष टीम के साथ काम करेंगे।

पिछले दो सीजन में नहीं मिला प्लेऑफ का टिकट

दिल्ली कैपिटल्स पिछले दो आईपीएल सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही है। टीम की रणनीति, नीलामी में खिलाड़ियों के चयन और मैदान पर प्रदर्शन को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी प्रबंधन नए सिरे से टीम का निर्माण करना चाहता है।

ऋषभ पंत की वापसी पर भी नजर

सूत्रों का कहना है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या दिल्ली कैपिटल्स अपने पूर्व कप्तान ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स से ट्रेड के जरिए वापस लाने की कोशिश करती है। इसके लिए टीम अपने मौजूदा खिलाड़ियों में से एक या दो खिलाड़ियों की अदला-बदली कर सकती है।

युवराज का शानदार आईपीएल करियर

युवराज सिंह ने अपने आईपीएल करियर में कुल 132 मैच खेले। उन्होंने पंजाब, पुणे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। उनका आखिरी आईपीएल मैच 2019 में मुंबई इंडियंस के लिए था, जिसके बाद उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। युवराज 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप में भारत की जीत के प्रमुख नायकों में शामिल रहे थे। विशेष रूप से 2011 विश्व कप में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।

27 दिन तिहाड़ में...देशभर में बदनामी; आखिर कैसे संभले एस श्रीसंत कहा- भुवनेश्वरी ने बचाई मेरी जान

दो विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे एस. श्रीसंत ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल दौर को याद करते हुए बड़ा खुलासा किया है। 2013 के स्पॉट फिक्सिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद तिहाड़ जेल में बिताए 27 दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी भुवनेश्वरी देवी ही वह वजह थीं, जिनकी वजह से उन्होंने हार नहीं मानी। श्रीसंत ने बताया कि उस दौर में पूरा देश उन्हें खलनायक की तरह देख रहा था, लेकिन पत्नी और परिवार उनके साथ चट्टान की तरह खड़े रहे। भारत को 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जिताने वाली टीम का हिस्सा रहे पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने जीवन के सबसे कठिन दौर को लेकर भावुक खुलासा किया है। 2013 के आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले में गिरफ्तारी और तिहाड़ जेल में बिताए दिनों को याद करते हुए श्रीसंत ने कहा कि उनकी पत्नी भुवनेश्वरी देवी ने उन्हें मानसिक रूप से टूटने से बचाया।

2013 का वह विवाद जिसने बदल दी जिंदगी

आईपीएल 2013 में स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों के बाद श्रीसंत को राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों अजीत चांडीला और अंकित चव्हाण के साथ गिरफ्तार किया गया था। उन्हें दिल्ली पुलिस की हिरासत और फिर तिहाड़ जेल में रहना पड़ा। हालांकि 2015 में अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन उससे पहले उनका जीवन पूरी तरह बदल चुका था।

अगर वह नहीं होतीं तो शायद मैं जिंदा नहीं रहता'

एक इंटरव्यू में श्रीसंत ने अपनी पत्नी भुवनेश्वरी देवी के बारे में बात करते हुए बेहद भावुक बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैं उस दौर से गुजर रहा था, तब मेरे खुद को खत्म न करने की सबसे बड़ी वजह वही थीं। मैंने उनसे 2010 में वादा किया था कि अगर हम 2011 विश्व कप जीतेंगे तो मैं उनसे शादी करूंगा। 2007 में जब वह 10वीं कक्षा में थीं, तभी हमारी मुलाकात हुई थी और 2013 तक हम लगातार संपर्क में रहे। वही सबसे बड़ी वजह थीं कि मुझे जमानत मिली और मैं मजबूत बना रहा।'

कैसे शुरू हुई प्रेम कहानी?

श्रीसंत ने बताया कि उनकी और भुवनेश्वरी की पहली मुलाकात 2007 में एक स्कूल कार्यक्रम के दौरान हुई थी। इसके बाद अलग-अलग मौकों पर मुलाकातें होती रही और दोनों के बीच रिश्ता मजबूत होता गया। आखिरकार 2013 में जमानत मिलने के बाद दोनों ने सगाई की और उसी साल शादी भी कर ली।

'27 दिन तिहाड़ में रहकर जिंदगी को नए नजरिए से देखा'

पूर्व भारतीय गेंदबाज ने बताया कि जेल के दिनों ने उन्हें जिंदगी की असली कठिनाइयों का एहसास कराया।उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस की हिरासत में बिताए 12 दिन और तिहाड़ जेल के 27 दिन ने मुझे यह समझाया कि आम जिंदगी में आने वाली परेशानियां कुछ भी नहीं हैं। वहां मैंने देखा कि लोग वर्षों तक मुकदमों का इंतजार करते रहते हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय स्वाभिमान

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय स्वाभिमान
पत्र व्यवहार:रफ्तार इंडिया एक्सप्रेस, 31/33 पहला महला, पत्रावाला बिल्डिंग, वजु कोटक मार्ग लिंक शहीद भगतसिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001, **भ्र.ध्व. क्र.:9224733113**
ईमेल:rastriyaswabhimaan@gmail |com

बेस्ट कर्मचारियों की हड़ताल के लिए भाजपा महायुति सरकार जिम्मेदार: वर्षा गायकवाड

आर एस नेटवर्क। संवाददाता

मुंबईः मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली बेस्ट सेवा के ठप होने पर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड ने भाजपा महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार की निष्क्रियता और गलत नीतियों के कारण बेस्ट कर्मचारियों की हड़ताल हुई, जिससे लाखों मुंबईकरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

वर्षा गायकवाड ने कहा कि जब लाखों लोग रोजाना काम पर जाने के लिए घरों से निकलते हैं, ऐसे समय में बेस्ट सेवा ठप होना बेहद गंभीर स्थिति है। लोगों को घंटों सड़कों पर इंतजार करना पड़ा, लेकिन सरकार समय रहते कोई कदम नहीं उठा सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से बेस्ट कर्मचारियों की मांगों को लंबित रखा गया, ठेका प्रथा और निजीकरण को बढ़ावा दिया गया और कर्मचारियों की चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया। जब स्थिति बिगड़ गई, तब सरकार ने मेस्मा जैसे कानून का सहारा लेने की कोशिश की। सांसद गायकवाड ने सवाल उठाया कि जब प्रशासन को पहले से हड़ताल की आशंका थी, तो समय रहते बातचीत कर समाधान क्यों नहीं निकाला गया? क्या सरकार मुंबईकरों को परेशान होने का इंतजार कर रही थी? उन्होंने सरकार से मांग की कि वह तुरंत हस्तक्षेप कर कर्मचारी संगठनों के साथ सकारात्मक बातचीत करे और लंबित मांगों पर त्वरित निर्णय लेकर बेस्ट सेवा को जल्द से जल्द बहाल करे। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार को मुंबईकरों की सहनशीलता की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बचाने को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि निजीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहिए।

गणेशोत्सव पर कोंकण यात्रियों को राहत: ठाणे स्टेशन पर दो अतिरिक्त रिजर्वेशन विंडो खुलेंगी

आर एस नेटवर्क। दिनेश चंद्र रावल

ठाणे : गणेशोत्सव के दौरान कोंकण जाने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठाणे रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन सेंटर पर दो अतिरिक्त टिकट विंडो खोली जाएंगी। इस पहल से गणेश भक्तों को लंबी कतारों में लगने से राहत मिलेगी और उनका समय व श्रम दोनों बचेंगे। यह सुविधा सांसद नरेश म्हस्के के प्रयासों से संभव हो पाई है। कोंकण रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन ने इस पहल के लिए सांसद का आभार व्यक्त किया है और इसे यात्रियों के लिए बड़ी राहत बताया है। दरअसल, ठाणे, मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कोंकण क्षेत्र के लोग रोजगार और व्यवसाय के लिए बसे हुए हैं। गणेशोत्सव उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और इस अवसर पर अधिकांश लोग अपने गांव जाने के लिए कोंकण रेलवे का उपयोग करते हैं। पिछले वर्ष भी पहली बार ठाणे स्टेशन पर दो अतिरिक्त विंडो खोली गई थीं, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिली थी। इसी अनुभव को देखते हुए इस वर्ष भी सांसद नरेश म्हस्के ने 29 मई 2026 को सेंट्रल रेलवे को पत्र लिखकर विंडो बढ़ाने की मांग की थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 जून 2026 को सेंट्रल रेलवे के अपर मंडल रेल प्रबंधक तरुण कुमार ने पत्र जारी कर दो अतिरिक्त विंडो खोलने की मंजूरी दी।

नई विंडो 11 जुलाई 2026 से शुरू की जाएंगी। वर्तमान में पांच रिजर्वेशन विंडो दो सत्रों में संचालित हो रही हैं, जबकि दो अतिरिक्त विंडो एक सत्र में चलाई जाएंगी। इससे कुल सात विंडो उपलब्ध होंगी, जिससे यात्रियों का इंतजार समय काफी कम हो जाएगा। इसके साथ ही, सांसद की मांग पर रिजर्वेशन केंद्र में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं और सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल (RPF) तथा जीआरपी के जवानों की तैनाती की जाएगी। पैसेंजर एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि इस तरह के प्रयासों से भविष्य में भी यात्रियों की समस्याओं का समाधान होता रहेगा।

भिवंडी में इलेक्ट्रिक सामान से भरे ट्रक में लगी आग, बड़ा नुकसान; चालक सुरक्षित

भिवंडी। भिवंडी तालुका के अंजूर फाटा-चिंचोटी मार्ग पर शुक्रवार दोपहर इलेक्ट्रिक सामान से भरे एक ट्रक में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक और उसमें रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रिक बैटरियों और अन्य इलेक्ट्रिक उपकरणों से लदा ट्रक अंजूर फाटा से चिंचोटी की ओर जा रहा था। दोपहर करीब डेढ़ बजे जब वाहन पायगांव गांव की सीमा में पहुंचा, तभी उसमें अचानक आग लग गई।

धारावी पुनर्विकास को लेकर लोगों में असमंजस, सरकार से स्पष्ट नीति और लिखित गारंटी की मांग

आर एस नेटवर्क। संवाददाता

मुंबईः धारावी पुनर्विकास परियोजना को लेकर स्थानीय निवासियों में बढ़ते असमंजस और असुरक्षा की भावना के बीच मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

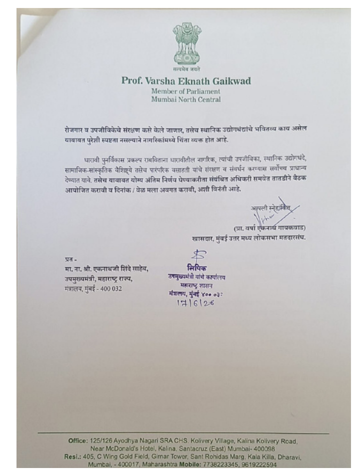

Prof. Varsha Eknath Gaikwad
Member of Parliament
Mumbai North Central

रोजगार व उपजीविकेचे संरक्षण कसे केले जाणार, तसेच स्थानिक उद्योगधंद्यांचे भवितव्य काय असेल याबाबत पुरेशी स्पष्टता नसल्याने नागरिकांमध्ये चिंता व्यक्त होत आहे.

धारावी पुनर्विकास प्रकल्प राबविताना धारावीतील नागरिक, त्यांची उपजीविका, स्थानिक उद्योगधंदे, सामाजिक-सांस्कृतिक वैशिष्ट्ये तसेच पारंपरिक वसाहती यांचे संरक्षण व संवर्धन करण्यास सर्वोच्च प्राधान्य देण्यात यावे. तसेच याबाबत योग्य अंतिम निर्णय घेण्याकरीता संबंधित अधिकारी समवेत तातडीने बैठक आयोजित करावी व दिनांक / वेळ मला अवगत करावी, अशी विनंती आहे.

आपली स्नेहांकित
(प्रा. वर्षा एकनाथ गायकवाड)
खासदार, मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा मतदारसंघ.

प्रत -
मा. ना. श्री. एकनाथजी शिंदे साहेब,
उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य,
मंत्रालय, मुंबई - 400 032

निपिक
उपमुख्यमंत्री यांचे कार्यालय
महाराष्ट्र शासन
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२
17/6/26

Office: 125/126 Ayodhya Nagari SRA CHS, Kolivery Village, Kalina Kolivery Road, Near McDonald's Hotel, Kalina, Santacruz (East) Mumbai- 400098
Resi.: 405, C Wing Gold Field, Girnar Tower, Sant Rohidas Marg, Kala Killa, Dharavi, Mumbai, - 400017, Maharashtra Mobile: 7738223345, 9619222594

उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि धारावी पुनर्विकास परियोजना केवल इमारतों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह यहां के नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। इसलिए इस परियोजना के केंद्र में स्थानीय निवासियों, उनके रोजगार, उद्योग और सामाजिक व्यवस्था को रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। इसी संदर्भ में उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित करने की मांग की है।

गायकवाड ने यह भी बताया कि परियोजना में बेस्ट डिपो, टाटा पावर, निसर्ग उद्यान और अन्य सरकारी जमीनों को शामिल किया गया है, साथ ही रेलवे भूमि पर रहने वाले कई लोगों का विस्थापन भी किया गया है। हालांकि, इन सभी पात्र निवासियों को धारावी में ही पुनर्वासित किया जाएगा या नहीं, इस बारे में सरकार की ओर से कोई स्पष्ट और लिखित आश्वासन नहीं दिया गया है, जिससे लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

उन्होंने मांग की कि सभी पात्र निवासियों को धारावी में ही पुनर्वास देने की स्पष्ट नीति घोषित की जाए और इसके लिए लिखित गारंटी दी जाए। साथ ही कोळीवाड़ा, कुंभारवाड़ा, स्थानीय बाजार, लघु उद्योग, धार्मिक स्थल, स्कूल, कॉलेज और स्वास्थ्य सुविधाओं के संरक्षण और पुनर्विकास के लिए भी स्पष्ट प्रावधान किए जाएं।

गायकवाड ने विशेष रूप से कुंभारवाड़ा के पारंपरिक मिट्टी के बर्तन उद्योग और कोळी समुदाय के अधिकारों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों का पुनर्विकास इस तरह किया जाए कि उनकी आजीविका प्रभावित न हो। उन्होंने कोळीवाड़ा की सीमाओं के निर्धारण और कानूनी मान्यता की भी मांग की।

शाहू नगर क्षेत्र में बीएमसी की 47 इमारतों में रहने वाले परिवारों को हाल ही में 7 दिनों के भीतर मकान खाली करने के नोटिस दिए जाने पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बिना वैकल्पिक पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था किए इस तरह की कार्रवाई से हजारों लोगों में भय और अस्थिरता का माहौल बन गया है। उन्होंने मांग की कि पहले सभी प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास सुनिश्चित किया जाए, उसके बाद ही किसी प्रकार की बेदखली की कार्रवाई की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में धारावी के विकास को सिंगापुर और हांगकांग मॉडल पर आधारित बताया जा रहा है, लेकिन पुनर्वास, रोजगार और स्थानीय उद्योगों के भविष्य को लेकर अभी तक स्पष्टता का अभाव है।

अंत में, गायकवाड ने सरकार से अपील की कि धारावी पुनर्विकास के दौरान स्थानीय निवासियों के हितों, उनकी आजीविका और सांस्कृतिक पहचान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और इस विषय पर त्वरित निर्णय लेने के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाए।

टोरेंट पावर और महावितरण का संयुक्त ग्राहक सेवा शिविर, 500 से अधिक उपभोक्ताओं ने लिया लाभ

भिवंडीः टोरेंट पावर और महावितरण द्वारा संयुक्त रूप से चावींद्रा, भिवंडी स्थित अर्श ग्राहक सेवा कार्यालय में एक विशेष ग्राहक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर को उपभोक्ताओं से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और 500 से अधिक लोगों ने इसमें भाग लेकर विभिन्न समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

शिविर में उपभोक्ताओं द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों में महावितरण के पुराने लंबित बकाया का विषय शामिल रहा। इस पर महावितरण के अधिकारियों ने ग्राहकों को आंशिक भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराकर राहत प्रदान की। वहीं, टोरेंट पावर के अधिकारियों ने बिलिंग और विजिलेंस से जुड़े मामलों में उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की। साथ ही, इस अवसर का उपयोग बिजली चोरी रोकने, डिजिटल भुगतान सेवाओं के उपयोग, विद्युत सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाने के लिए भी किया गया। इस ग्राहक सेवा शिविर में टोरेंट पावर के महाप्रबंधक अंकित साहा, राघवेंद्र राव, विजय राणे, प्रशांत कुलकर्णी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके साथ ही महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

उपभोक्ताओं ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिला, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सका।